साांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-182 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 21 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2

सु-विचार

" समय सब कुछ बदल देता है... केवल जरूरत सिर्फ सब्र की होती है...!! "

अज्ञात...

'बीरा के अंगना' में सर्व समाज अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह "छोटू" का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

लड्डुओं से तौले गए समाजसेवी इंद्रजीत सिंह "छोटू" वैशाली नगर में जन्मदिन बना जनसैलाब, परिसर में गूंजे 'छोटू भैया जिंदाबाद' के नारे

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

कोहका स्थित बीरा के अंगना में शनिवार को सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के जन्मदिन पर सुबह से ही अपार जन सैलाब उमड़ा। हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते नजर आए।

रात 8:15 बजे के आसपास जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, पार्षद विनोद सिंह, प्रवीण सिंह, बच्ची, प्रेमलाल साहू, योगेंद्र सिंह, राजू खान सहित भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के प्रमुख नेताओं ने बीरा के अंगना पहुंचकर इंद्रजीत सिंह छोटू से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

इसके साथ ही भाजपा से जुड़े कई पार्षदों और वरिष्ठजनों ने भी बीरा के अंगना पहुंचकर छोटू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पूरे दिन माहौल उत्सव जैसा रहा और लोगों ने केक काटकर बधाई देने का सिलसिला देर रात तक जारी रखा।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि इंद्रजीत सिंह छोटू सामाजिक कार्यों के कारण समाज में लोकप्रिय हैं, इसी कारण उनके जन्मदिन पर इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

लड्डुओं से तौले गए 'छोटू भैया'

कई किलो लड्डुओं से तौले गए समाजसेवी इंद्रजीत सिंह "छोटू" वैशाली नगर में जन्मदिन बना जनसैलाब, गूंजे 'छोटू भैया जिंदाबाद' के नारे, समर्थकों ने अनोखे अंदाज में किया भव्य सम्मान। वैशाली नगर में समाजसेवी इंद्रजीत सिंह "छोटू" का जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें कई किलो लड्डुओं से तौलकर सम्मानित किया। इस दौरान पूरा माहौल "छोटू भैया जिंदाबाद" के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सभी ने इंद्रजीत सिंह छोटू को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आपको बता दें कि इंद्रजीत सिंह छोटू "सर्व समाज कल्याण समिति" का संचालन करते हैं। समिति के माध्यम से वे लगातार जरूरतमंद लोगों की सहायता, सामाजिक कार्यों और जनकल्याण से जुड़े कई अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। यही वजह है कि उनके जन्मदिन पर लोगों ने इस अनोखे अंदाज में उनका सम्मान किया।

जन्मदिन के अवसर पर भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने भी उनके निवास सूर्या विहार पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की और जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके सामाजिक कार्यो सरहाना एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

भाजपा नेताओं ने पहुंचकर दी बधाई

इंद्रजीत सिंह छोटू के जन्मदिन के मौके पर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व साडा उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंह, राजू शर्मा, मलकीत सिंह (लल्लू) ने केक काटकर बधाई दी

ट्रेडिंग निवेश के नाम पर 19 लाख की ठगी, आरोपिया तृप्ती साहू गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने ट्रेडिंग निवेश के नाम पर 19 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाली आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। थाना उतई में प्रार्थी दीपक कुमार अहिरवार, निवासी ग्राम जोरातराई ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपिया तृप्ती साहू ने अपने परिचित के घर उतई में रैम्बो इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी में निवेश करने का झांसा दिया। उसने कहा कि 28 माह में निवेश की राशि चार गुना हो जाएगी और प्रतिमाह 10 से 12 प्रतिशत ट्रेडिंग रिटर्न मिलेगा। इस झूठे प्रलोभन देकर उसने कुल 19 लाख रुपये निवेश करा लिए। निर्धारित समय बीतने के बाद भी राशि वापस नहीं की गई।

प्रकरण की जांच के बाद थाना उतई में अपराध क्रमांक 389/2026 में धारा 420, 34 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान आरोपिया के एसबीआई, यस बैंक, केनरा बैंक और एचडीएफसी बैंक भिलाई शाखा के खातों में लाखों रुपये के संदिग्ध एवं अनाधिकृत लेन-देन पाए गए। पुलिस ने 20 जुलाई को तृप्ती साहू, उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम असोगा, थाना रानीतराई को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपिया ने स्वीकार किया कि निवेशकों से मिली राशि का उसने स्वयं उपयोग किया और कुछ राशि अन्य साथियों को पहुंचाई। आरोपिया को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपिया के पास से एसबीआई, यस बैंक, केनरा बैंक और एचडीएफसी बैंक की पासबुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड और कार क्रमांक CG 07 CF 8179 जब्त की है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अधिक लाभ का प्रलोभन देने वाली किसी भी अनधिकृत निवेश योजना या ट्रेडिंग कंपनी में निवेश से पहले उसकी वैधानिकता और पंजीयन की पुष्टि अवश्य करें। संदिग्ध वित्तीय या साइबर धोखाधड़ी की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। इस कार्रवाई में थाना उतई के निरीक्षक मोहन भारद्वाज, उप निरीक्षक श्रीराम पेन्ड्रो, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाण्डेय, महिला आरक्षक पूजा सोनकर और महिला आरक्षक बिन्दु भाले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सियासी गलियारों में हुई चर्चा : क्या अमित शाह बनेंगे देश के अगले उप-प्रधानमंत्री?

मोदी सरकार और संगठन में बड़े बदलाव की अटकलें तेज

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

देश की राजनीति में इन दिनों एक अटकल सबसे ज्यादा चर्चा में है — क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देश का उप-प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है? लुटियंस दिल्ली से लेकर सोशल मीडिया तक इस सवाल पर बहस चल रही है। हालांकि सरकार या भाजपा की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित "उत्तराधिकार प्लान" के तौर पर देख रहे हैं।

"मोदी के बाद कौन?" पर लगेगा विराम?

पिछले कुछ समय से भाजपा के भीतर "मोदी के बाद कौन" को लेकर अलग-अलग नाम सामने आ रहे थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक बड़ा चेहरा माना जाता है। वहीं महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस और आरएस के प्रभाव को भी अहम माना जाता रहा है। अगर अमित शाह को उप-प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी मिलती है, तो इसे नेतृत्व की कतार में उनकी स्थिति और मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा जाएगा। अमित शाह अभी गृह और सहकारिता मंत्रालय संभाल रहे हैं और संगठन में भी उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

डिप्टी पीएम पद का क्या मतलब होता है? : भारत के इतिहास में अब तक 7 उप-प्रधानमंत्री रहे हैं — सरदार पटेल, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, देवीलाल, लालकृष्ण आडवाणी आदि। इनमें चौधरी चरण सिंह ही बाद में प्रधानमंत्री बने। उप-प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक नहीं है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह "नंबर 2" की भूमिका देता है। परंपरागत रूप से डिप्टी पीएम को कैबिनेट बैठकों की अध्यक्षता और अहम समितियों में बड़ी भूमिका मिलती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शाह को यह जिम्मेदारी मिलती है तो कैबिनेट कमेटी ऑन अपॉइंटमेंट्स और मंत्रिमंडल के कामकाज में उनकी भूमिका और बढ़ सकती है।

संगठन और कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें : संसद के मानसून सत्र के बाद भाजपा संगठन और केंद्रीय मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा भी तेज है। सूत्रों के अनुसार कुछ मंत्रियों को संगठन में और संगठन के कुछ नेताओं को सरकार में लाया जा सकता है। इस पूरी प्रक्रिया को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री मिलकर तय करते हैं।

तीन पावर सेंटर पर असर?

विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे किसी फैसले का असर तीन जगहों पर सबसे ज्यादा होगा:

लखनऊ: योगी आदित्यनाथ के समर्थकों की "2027 के बाद" वाली चर्चाओं पर विराम लग सकता है।

नागपुर: आरएसएस के लिए यह संकेत होगा कि अंतिम फैसला संसदीय दल और प्रधानमंत्री कार्यालय से ही होगा।

मुंबई: देवेंद्र फडणवीस जैसे नेताओं की राष्ट्रीय भूमिका की चर्चाओं पर भी असर पड़ सकता है।

क्या हकीकत बनेगी अटकल?

फिलहाल यह पूरा मामला राजनीतिक अटकलों और विश्लेषण के स्तर पर है। भाजपा ने अब तक इस बारे में कोई बयान नहीं दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी इसे "संभावित परिदृश्य" बता रहे हैं, न कि तय फैसला। आने वाले दिनों में संगठन और कैबिनेट में होने वाले बदलावों से ही साफ होगा कि ये चर्चाएं कितनी सच्चाई के करीब हैं।

ऑपरेशन अंकुश : रायगढ़-कोरबा बॉर्डर पर जुए के 5 फड़ पर छापा, 33 जुआरी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन अंकुश के तहत छाल पुलिस ने रविवार रात रायगढ़-कोरबा बॉर्डर स्थित ग्राम धसकामुड़ा में जुआरियों पर बड़ी कार्रवाई की।

पुलिस ने मेला स्थल के बाहर संचालित जुए के 5 फड़ पर दबिश देकर 33 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान जुआ खेलने एवं खिलाने में प्रयुक्त एक इनोवा, दो बोलेरो, दो अटिर्गा, एक KIA और एक ऑल्टो कार सहित लगभग 90 लाख मूल्य की 7 वाहन, जुआ फड़ से 57,140 नगद और 5 गैस लाइट व खुडखुडिया जुआ सामग्री जब्त की गई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़े गए जुआरी घरघोड़ा, तमनार, डभरा एवं जैजैपुर क्षेत्र के निवासी हैं। ये सभी धसकामुड़ा बस्ती के छोर पर एकत्र होकर बड़े पैमाने पर खुडखुडिया जुआ खेल रहे थे।

मुखबिर की सूचना पर एडिशनल एसपी अनिल सोनी और एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी छाल निरीक्षक नासिर खान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सभी आरोपियों को पकड़ा। छाल पुलिस ने गिरफ्तार 33 आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत 5 अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया जारी है।

एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा, "रायगढ़ जिले में अवैध जुआ, सट्टा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध 'ऑपरेशन अंकुश' के तहत लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका से डबल गोल्ड लेकर लौटे जयदीप साहू का कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त राकेश पांडेय ने किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

कोच कृष्णा साहू और संघ अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा भी सम्मानित

दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर लौटे खिलाड़ियों का रविवार को आत्मीय सम्मान किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष माननीय राकेश पांडेय ने अपने 32 बंगला स्थित निवास पर स्वर्ण पदक विजेता पावरलिफ्टर जयदीप साहू, भारतीय टीम के कोच कृष्णा साहू और छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा का मिठाई खिलाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर राकेश पांडेय ने खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और कोच को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सदैव प्रोत्साहन एवं सहयोग मिलता रहेगा।

दक्षिण अफ्रीका में लहराया तिरंगा

उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका के पॉचेफस्ट्रूम में 4 से 12 जुलाई 2026 तक एशियन, पैसिफिक एवं अफ्रीका अंतरराष्ट्रीय महिला एवं पुरुष पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। इसमें भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ के जयदीप साहू ने सीनियर वर्ग की इक्विप्ड एवं अनइक्विप्ड (क्लासिक) दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर डबल गोल्ड अपने नाम किया।

इसके साथ ही अमन शुक्ला ने जूनियर वर्ग में एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक तथा प्रियांक मिश्र ने एक स्वर्ण एवं एक कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

संघ के अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि राकेश पांडेय का खिलाड़ियों के प्रति स्नेह और उत्साहवर्धन अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि दल के दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले भी राकेश पांडेय ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया था। वापस लौटने पर सम्मान देकर उन्होंने जो आत्मीयता दिखाई है, वह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का विषय है। इस अवसर पर खेल प्रेमी और संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

हाईवा ने बाइक सवार को मारी टक्कर, बीएसपी के कर्मी की मौत

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सोमवार देर रात हाईवा ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में बीएसपी के ठेका कर्मी की मौके पर हो गई। वहीं दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। मृतक की पहचान श्याम राव के रूप में हुई है। घटना भिलाई नगर थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, श्याम राव भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका कर्मी के रूप में कार्यरत थे। वह ससुराल मरोदा से दो लोगों के साथ एक ही बाइक खुर्शीपार स्थित निवास आ रहे थे। सेंट्रल एवेन्यू के पास पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद श्याम राव को 50 फीट तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं दो लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। वहीं मृतक के शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि श्याम राव नाइट ड्यूटी के लिए जा रहा था, लेकिन इससे पहले ही हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद हाईवा छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू दी है।

यातायात पुलिस की नई पहल : ट्रैफिक मितानों को मितान किट-बैज, हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों में स्ट्रेचर की सुविधा

ट्रैफिक मितान पुलिस और आम नागरिकों के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण कड़ी, गोल्डन ऑवर के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन ऑवर के भीतर त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दुर्ग यातायात पुलिस ने एक अभिनव पहल की है। पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-6 भिलाई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक मितानों को मितान किट एवं मितान बैज वितरित किए गए, वहीं सभी हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों को स्ट्रेचर से सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कमर्चारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि ट्रैफिक मितान पुलिस और आम नागरिकों के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्हें प्रदान की गई मितान किट में सेफ्टी जैकेट, सीटी, रस्सी, रिफ्लेक्टर, पानी की बोतल और बैग जैसी आवश्यक सामग्री शामिल है। इन संसाधनों की मदद से ट्रैफिक मितान सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहते हुए प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग कर सकेंगे।

सड़क दुर्घटनाओं में रेस्क्यू कार्य को और अधिक सशक्त बनाने के लिए राजधानी मेडिकल एवं श्याम मेडिकल, भिलाई के सहयोग से यातायात पुलिस के सभी हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों में स्ट्रेचर उपलब्ध कराए गए हैं। इससे दुर्घटना स्थल पर घायलों को सुरक्षित तरीके से उठाकर शीघ्र अस्पताल पहुंचाने में सहायता मिलेगी और गोल्डन ऑवर के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

कार्यक्रम के दौरान पिछले माह ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट, अनुकरणीय एवं सराहनीय कार्य करने वाले यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कमर्चारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से पुलिस बल में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, उत्तरदायित्व और जनसेवा की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतें तथा किसी सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों की मदद करते हुए तत्काल पुलिस एवं आपातकालीन सेवाओं को सूचना दें। पुलिस ने कहा कि समय पर दी गई सहायता किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकती है।

खास खबर

पीओपी मूर्तियों पर प्रतिबंध के संबंध में छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित मूर्तियों के निर्माण एवं विसर्जन पर लगाए गए प्रतिबंध के संबंध में अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर दुर्ग को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मूर्तिकारों एवं चित्रकारों के रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

संघ के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के हजारों मूर्तिकार और उनके परिवार वर्षों से मूर्ति निर्माण के कार्य से जुड़े हुए हैं। पीओपी मूर्तियों पर पूर्ण प्रतिबंध से बड़ी संख्या में कलाकारों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में शासन को पर्यावरण संरक्षण और कलाकारों के हितों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए व्यवहारिक निर्णय लेना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से आग्रह किया कि इस विषय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा कर ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य भी पूरे हों और मूर्तिकारों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव भी न पड़े। संघ ने यह भी अपेक्षा जताई कि जिला प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए शासन तक पहुंचाएगा तथा सकारात्मक पहल करेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष बाबा सिन्हा, प्रदेश संयोजक देवानंद साहू, दुर्ग जिला अध्यक्ष प्रवीण वासनिक सहित रमन गौतम, महेश राव और विनय ताम्रकार उपस्थित थे।

दुर्ग जिला अस्पताल में नवजात बच्चियों की माताओं को भेंट किए गए पौधे

दुर्ग। बेटियों के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय दुर्ग के मातृत्व एवं शिशु विभाग के तृतीय तल पर "एक पौधा बेटी के नाम" अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवजात 10 बच्चियों की माताओं को पौधे उपहार स्वरूप भेंट किए गए।

कार्यक्रम में जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर ने कहा कि बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बेटी के जन्म पर एक पौधा लगाने की परंपरा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण तैयार करने में भी सहायक होगी। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों एवं अतिथियों ने नवजात बच्चियों की माताओं को शुभकामनाएं देते हुए बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही सभी से पौधों का नियमित संरक्षण एवं संवर्धन करने की अपील भी की गई। कार्यक्रम में सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. ए.के. मिंज, गायनिक विभाग प्रमुख डॉ. बी.आर. साहू, मेट्रन सी. बोरकर, सिस्टर शाहनी चेरियन, दुर्ग जिला करनी सेना के अध्यक्ष नीलू सिंह, ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सत्य साई सेवा समिति के आर.के. तिवारी, संजय कानखोजे, जीवन दीप समिति के मानद सदस्य प्रशांत डोंगांवकर सहित नागरिक उपस्थित थे।

भिलाई नगर पालिक निगम का वर्षाजल संरक्षण से भू-जल स्तर बढ़ाने पर दिया जा रहा है जोर

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर चलाया जा रहा जागरूकता व प्रोत्साहन अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में भू-जल स्तर को संरक्षित एवं बढ़ाने के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर लगातार जागरूकता एवं प्रोत्साहन अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा भवन एवं भूमि मालिकों से अपने परिसरों में वर्षाजल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की जा रही है, ताकि आने वाले समय में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार गिरते भू-जल स्तर को संतुलित बनाए रखने के लिए वर्षा जल का संचयन सबसे प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय है। वर्षा के पानी को सीधे जमीन में पहुंचाकर जलभृत को पुनर्भरित किया जा सकता है, जिससे भू-जल की उपलब्धता में वृद्धि होती है और प्राकृतिक जल स्रोत लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं। नगर निगम के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को सरकारी भवनों, निजी

संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक संस्थाओं तथा आवासीय परिसरों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। यह प्रणाली अपेक्षाकृत कम लागत वाली, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है, जो भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा जल स्वाभाविक रूप से अपेक्षाकृत स्वच्छ एवं बैक्टीरिया रहित होता है, इसलिए इसके उपयोग के लिए अत्यधिक जल शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके माध्यम से भू-जल का पुनर्भरण होने से सूखे की स्थिति का प्रभाव कम होता है, नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के प्रवाह को बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा जल प्रदूषण की समस्या में भी कमी आती है। निगम ने बताया कि सतही जल की तुलना में भू-जल स्वास्थ्य की दृष्टि से अधिक सुरक्षित माना जाता है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का वाष्पीकरण भी कम होता है, जिससे जल का संरक्षण बेहतर तरीके से हो पाता है और जलभृत की उत्पादक क्षमता में भी वृद्धि होती है। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से अपील की है कि वे वर्षा ऋतु का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों, भवनों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करें। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही जल संरक्षण का यह अभियान सफल होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त भू-जल संसाधन सुरक्षित रखे जा सकेंगे।

जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि का नगर प्रवेश, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्र संत मानव मिलन के संस्थापक, नेपाल केसरी परम पूज्य डॉ. मणिभद्र मुनि जी म.सा. साधु समुदाय के साथ दुर्ग नगर में भव्य नगर प्रवेश हुआ। नेहरू नगर से प्रारंभ हुई विहार यात्रा मालवीय नगर स्थित जैन दादाबाड़ी पहुँची। मार्ग में साइंस कॉलेज ओवरब्रिज के समीप बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जैन समाज के लोगों ने गुरुदेव की अगवानी कर जयघोष के साथ मंगल स्वागत किया।

नगर प्रवेश यात्रा में श्रमण संघ परिवार के साथ-साथ सकल जैन समाज के सभी वर्गों एवं विभिन्न संप्रदायों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास से परिपूर्ण वातावरण में गुरुदेव के दर्शन एवं वंदना का लाभ श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया।

जैन दादाबाड़ी में आयोजित प्रथम धर्मसभा में गुरुदेव के सान्निध्य में अधिक से अधिक धर्म, ध्यान तप जप के साथ एवं आत्मकल्याण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बेला तप (दो उपवास) की तपस्या का संकल्प भी गुरुदेव को समर्पित किया। जो आगामी 26 जुलाई को आयोजित होगा।

गुरुदेव का आगामी विहार पद्मनाभपुर, आदर्श नगर एवं ऋषभ ग्रीन सिटी क्षेत्र में रहेगा। इसके पश्चात 26 जुलाई 2026 को वधमान हाइट्स से वर्षावास (चातुर्मास) का भव्य मंगल प्रवेश आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 108 कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकलेगी तथा धर्म चक्र (48 बेला, 1 तेला तप) जैसे विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न होंगे।

चातुर्मास प्रवेश महोत्सव में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से श्रमण संघ परिवार, गुरु भक्तों एवं जैन समाज के हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस ऐतिहासिक एवं पुण्यदायी आयोजन में सहभागी बनकर प्रभु-गुरु-संघ भक्ति का लाभ लेने तथा धर्म चक्र एवं कलश के लिए अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है।

इंदिरा मार्केट की यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर पुलिस व व्यापारियों की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र इंदिरा मार्केट की यातायात, पार्किंग और बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभागार में जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, व्यापारी संघ, पार्किंग ठेकेदार एवं संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाजार में बढ़ती अव्यवस्था, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में व्यापारियों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर अवैध पार्किंग, ठेले एवं पसरा लगाए जाने से ग्राहकों के दुकानों तक पहुंचने में हो रही परेशानी और इससे व्यापार पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी अधिकारियों को दी। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था को

सुव्यवस्थित करने तथा मछली मार्केट क्षेत्र में वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग को निर्धारित व्यवस्था के तहत संचालित करने का सुझाव भी रखा गया।

चर्चा के बाद अधिकारियों ने निर्णय लिया कि इंदिरा मार्केट क्षेत्र में यातायात और बाजार व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम नियमित अभियान चलाएगी। अभियान के दौरान अवैध पार्किंग, यातायात बाधित करने वाले वाहनों तथा सार्वजनिक मार्गों पर अनधिकृत रूप से लगाए गए ठेले-पसरा और अतिक्रमण के खिलाफ नियमानुसार कारवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कारवाई निरंतर जारी रहेगी, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके। बैठक में सभी संबंधित विभागों एवं व्यापारियों ने समन्वय के साथ कार्य करने पर सहमति जताई और बाजार की व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर दुर्ग पुलिस ने नागरिकों, व्यापारियों एवं वाहन चालकों से अपील की कि वे केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें तथा सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण या अवरोध उत्पन्न न करें। पुलिस ने कहा कि सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम शहर के निर्माण में आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ स्वागत, विधायक चंद्राकर ने दी सफलता की सीख

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ग्राम पुरई में शनिवार को शाला प्रवेश उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया और नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों से अनुशासन, परिश्रम और लगन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि ज्ञान, संस्कार और मेहनत ही सफलता का आधार हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, खेल और रचनात्मकता को विशेष महत्व दिया गया है।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 6वीं से 12वीं तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं नवनिर्वाचित छात्र संघ के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं।

विधायक चंद्राकर ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में संघर्ष से घबराना नहीं चाहिए। असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने वाले ही सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, देशभक्ति और मानवीय संस्कार विकसित करने का आग्रह किया तथा अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, मंडल महामंत्री एवं एल्डरमेन चंदू देवांगन, सरपंच डोमार साहू, सांसद प्रतिनिधि छबीलाल साहू, विधायक प्रतिनिधि प्रशांत सिंह, मिलाऊं राम ओझा, पंच ममता देवांगन, पंच सतरूपा साहू, प्राचार्य डॉ. कृष्णा अग्रवाल, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कोड़िया में नवनिर्मित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का विधायक ने किया लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा के संकल्प एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं विकास की नीति को साकार करते हुए दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने ग्राम कोड़िया स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में 119 लाख 18 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण कर ग्रामवासियों को समर्पित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकसित भारत का लक्ष्य दिया है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी छत्तीसगढ़ को शिक्षित छत्तीसगढ़ बनाने में लगे हैं। इसी कड़ी में यह नया स्कूल भवन हमारे बच्चों के लिए शिक्षा का मंदिर है। अब हमारे गांव के बच्चों को गुणवतापूर्ण शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। लोकार्पण के पश्चात संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। विधायक श्री चंद्राकर जी ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, पेड़ा खिलाकर एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा, बच्चे कच्ची मिट्टी के समान हैं। शिक्षा के माध्यम से आप जो बनना चाहते हो, जो मुकाम हासिल करना चाहते हो, वो सब बन सकते हो। इसलिए जीवन में ईमानदारी पूर्वक पढ़ाई करो। डबल इंजन की सरकार गांव-गांव तक विकास और शिक्षा की रोशनी पहुँचा रही है। श्री चंद्राकर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ सरकार की हर जनकल्याणकारी योजना धरातल पर उतर रही है। महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को हर महीने एक हजार रुपये मिल रहे हैं, कृषक उन्नति योजना में किसानों को धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल दाम और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी कर मोदी की गारंटी को पूरा किया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपये प्रति मानक बोरा, 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति और भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपये वार्षिक सहायता देकर सरकार ने वादा निभाया है। डबल इंजन की सरकार गांव-गांव तक विकास और शिक्षा की रोशनी पहुँचा रही है। आपके गांव में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं विकास के लिए पैसा की कोई कमी नहीं होगी। जिला पंचायत सभापति श्रीमती श्रद्धा पुरेन्द्र साहू, सरपंच खुमान निषाद, मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला राजपूत, महामंत्री चंदु देवांगन, प्रवीण यदु, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष आनंद चंद्राकर, प्रावार्य श्रीमती नीलमणि उज्जवनी, बूथ अध्यक्ष राधेलाल साहू, उमेश साहू, करगाडीह सरपंच करण सेन, दिनेश दीपक, इतवारी भारद्वाज, PWD अधिकारी SDO एसएस साहू, प्रावार्य श्रीमती सुधा राय, पंचगण चम्पी निषाद, सरिता निषाद, मनीषा यादव, रेखा निषाद, सोहद्रा साहू, लीलेश्वरी पटेल, स्कूल के स्टॉपगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मेरा परिवार गौव्रति परिवार : सीएम साय ने गौ विज्ञान परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गौ संरक्षण जनभागीदारी से ही बनेगा जनआंदोलन : मुख्यमंत्री साय

गौमाता भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक कृषि और पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला है। गौ संरक्षण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब प्रत्येक परिवार गौसेवा और संरक्षण का संकल्प लेगा, तभी यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित गौ सेवा संगम एवं गौ विज्ञान परीक्षा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशव्यापी मेरा परिवार गौव्रति परिवार अभियान का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए संचालित किए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने गौ विज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार भी प्रदान किए।

नई पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और वैज्ञानिक दृष्टि का सुंदर समन्वय : मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण और ग्रामीण समृद्धि की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि बच्चों में गाय के वैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष प्रदेश के स्कूलों एवं महाविद्यालयों के 1 लाख 64 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग हो रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि वे समाज में गौ संरक्षण और संवर्धन के प्रभावी दूत बनेंगे।

गौ संरक्षण को जनभागीदारी से मिलेगा स्थायी आधार : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ संरक्षण के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवारों और आसपास के लोगों को गौसेवा एवं गौ संरक्षण के प्रति जागरूक करें तथा इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं।

न्योता भोज जैसी पहल सामाजिक सहभागिता का उदाहरण : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नए शिक्षा सत्र के साथ प्रदेश में शाला प्रवेश उत्सव और न्योता भोज जैसी अभिनव पहल संचालित की जा रही हैं। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ अथवा माता-पिता की पुण्यतिथि जैसे विशेष अवसरों पर विद्यालयों में बच्चों के साथ भोजन कराने की परंपरा समाज और विद्यालय के बीच आत्मीय संबंध मजबूत कर रही है। इससे बच्चों को अतिरिक्त पोषण भी प्राप्त हो रहा है तथा समाज की भागीदारी भी बढ़ रही है।

गोबर आधारित उत्पाद बन रहे रोजगार का नया माध्यम : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गाय से प्राप्त दूध, दही, गोबर और गोमूत्र सहित प्रत्येक उत्पाद मानव जीवन के लिए उपयोगी है। आज गोबर से अनेक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करेगी, जिससे गौपालन आय का सशक्त माध्यम बन सके।

गौ संरक्षण के लिए सरकार के प्रभावी कदम : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पंजीकृत गौशालाओं में प्रति गाय चारे के लिए दी जाने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 35 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। साथ ही सुरभि गौधाम योजना के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं से युक्त गौधाम विकसित किए जा रहे हैं, जहां पशु चिकित्सक, चरवाहे तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

गौ सेवा से संस्कृति और मूल्यों से जुड़ रही नई पीढ़ी : मंत्री यादव

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि गौ विज्ञान परीक्षा के माध्यम से हजारों बच्चों ने गौमाता के महत्व को समझा है। यह पहल नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गौ संरक्षण के लिए गौ अभयारण्य विकसित कर रही है, जहां गौवंश के लिए पर्याप्त चारा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। देसी गाय के शुद्ध दूध के उत्पादन को बढ़ावा देकर आर्थिक स्वावलंबन के साथ जनस्वास्थ्य को भी मजबूती मिलेगी। गौ सेवा गतिविधि के अखिल भारतीय संयोजक अजीत महापात्र ने कहा कि गौ विज्ञान परीक्षा विद्यार्थियों को गाय के वैज्ञानिक महत्व तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का भाव विकसित हो रहा है।

बस्तर में डेयरी विकास का नया अध्याय : मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त होने के साथ अब विकास का नया दौर प्रारंभ हुआ है। कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से देसी गाय उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब सरकार इस योजना का लाभ अन्य इच्छुक पशुपालकों, विशेषकर यादव समाज के लोगों तक भी पहुंचाने पर विचार कर रही है, जिससे डेयरी क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी।

गौ विज्ञान परीक्षा के विजेताओं का हुआ सम्मान : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गौ विज्ञान परीक्षा के तीनों वर्गों के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज, छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम, चंद्रशेखर देवांगन, आत्मबोध अग्रवाल, मनोज पांडेय, गोपाल यादव सहित छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के पदाधिकारी, प्रदेशभर से आए गौ विज्ञान परीक्षा के प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिताओं में भारतीय विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। 58वें अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड और 37वें अंतरराष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय छात्रों ने वैश्विक मंच पर देश का गौरव बढ़ाते हुए विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इसे देश के युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और वैज्ञानिक सोच का प्रमाण बताया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि 58वें अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय टीम ने सभी चार स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। वहीं 37वें अंतरराष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में भारत ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर विश्व स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के वैज्ञानिक भविष्य की मजबूत नींव का भी प्रतीक है। भारतीय विद्यार्थियों ने कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी मेधा और मेहनत के दम पर दुनिया में देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय छात्रों की यह सफलता देश के लाखों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी भारत के युवा विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

उन्होंने विजेता विद्यार्थियों के समर्पण, अनुशासन और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता से यह साबित होता है कि भारतीय युवाओं में विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की असीम क्षमता है। यह उपलब्धि देश की शिक्षा व्यवस्था और वैज्ञानिक प्रतिभा के विकास की दिशा में भी सकारात्मक संकेत देती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहें और विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं और उनकी उपलब्धियां पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित करती हैं। भारत की इस ऐतिहासिक सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश के युवा विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता रखते हैं। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को वैज्ञानिक सोच अपनाने और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

8 पैसेंजर ट्रेनें रद्द, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

रायपुर। रायपुर मंडल के भाटापारा-हथबंद स्टेशन के बीच तीसरी लाइन में आटो सिग्नलिंग कार्य पूरा करने नान-इंटरलाकिंग का काम किया जाएगा। अधोसंरचना विकास से जुड़े इस कार्य को पूरा करने के लिए रेलवे ने 22 जुलाई को सात मेमू पैसेंजर और 23 जुलाई को एक पैसेंजर ट्रेन को रद करने का निर्णय लिया है। सेक्शन की क्षमता बढ़ाने रेल प्रशासन आटो सिग्नलिंग पर फोकस कर रहा है। धीरे-धीरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के हर एक सेक्शन को आटो सिग्नलिंग किया जा रहा है। इसी के तहत भाटापारा-हथबंद के बीच योजना बनाई गई है। रेलवे का मानना है कि यह महत्वपूर्ण कार्य और बिना ट्रेनों को रद किए इसे पूरा करने असंभव है। हालांकि राहत की बात यह है कि परिचालन केवल मेमू पैसेंजर ट्रेनों का हो रहा है। लंबी दूरी की ट्रेनें चलेंगी। इनका परिचालन प्रभावित नहीं होगा।

मोदी की गारंटी, सुशासन की नीति और जनकल्याण की प्रतिबद्धता से बदल रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

रायपुर में झेरिया यादव समाज के सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तिकरण, पारदर्शी सुशासन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने ढाई वर्षों में अधिकांश मोदी गारंटियों को पूरा कर जनविश्वास को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री साय रविवार को राजधानी रायपुर के ग्राम-बरौंदा में आयोजित झेरिया यादव समाज के महासम्मेलन एवं सामाजिक भवन लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रायपुर में झेरिया यादव समाज के सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की तथा ग्राम बरौंदा में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यादव समाज भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और गौ-सेवा की समृद्ध परंपरा का संवाहक है।

सीएम साय ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलने वाला यह समाज धर्म, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है तथा ऐसे सामाजिक सम्मेलन समाज सुधार और सामाजिक एकता को नई दिशा देते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के लिए 32 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान का मूल्य : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि अंतरित की जा रही है। इस योजना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई मजबूती प्रदान की है और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ाई है।

बस्तर में शांति और विकास का नया दौर : मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद था, लेकिन अब वहां शांति और विकास का नया वातावरण निर्मित हुआ है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है तथा विकास की मुख्यधारा अंतिम गांव तक पहुंच रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास भी और विरासत भी के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है।

सुशासन और डिजिटल सेवाओं से आसान हो रहा जनजीवन : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है। सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने के लिए प्रक्रियाओं का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चार स्तरीय व्यवस्था से जोड़ा गया है। साथ ही प्रत्येक पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहां नागरिकों को विभिन्न प्रमाणपत्र और सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा, रामकुमार यादव, छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव, भगत सिंह यादव, श्रीमती आशा संतोष यादव सहित प्रदेशभर से आए समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने की छत्तीसगढ़ के CCTNS की समीक्षा : डैशबोर्ड स्कोर में सुधार के दिए कड़े निर्देश

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकास शील ने सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में गृह विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम के डैशबोर्ड की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में राज्य के कमजोर बिंदुओं को चिन्हित कर उनमें त्वरित सुधार करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के डीजीपी अरुण देव गौतम भी विशेष रूप से मौजूद थे।

बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी नवीनतम स्टेट स्कोरकार्ड में छत्तीसगढ़ को 100 में से 64.97 अंक प्राप्त हुए हैं। हालांकि राज्य ने प्रशासनिक सुधार और मेडलीगल रिपोर्ट पोर्टल के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूर्ण अंक हासिल किए हैं। मुख्य सचिव विकास शील ने कानून व्यवस्था और डिजिटल पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीरो एफआईआर और ई-चार्जशीट की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए न्याय श्रुति प्रणाली को शीघ्र अति शीघ्र प्रारंभ किया जाए। मामलों के त्वरित निपटारे के लिए निर्धारित 60 एवं 90 दिवस के भीतर हर हाल में न्यायालय में वातान प्रस्तुत किया जाए। डिजिटल साक्ष्यों की महत्ता को देखते हुए ई-साक्ष्य के उपयोग को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान पुलिस और गृह विभाग के समन्वय पर विशेष बल दिया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक में गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता सहित कई अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

शाला प्रवेशोत्सव में सीएम साय की घोषणाएं : दुर्ग को मिली 4 नई सौगात

बोले- नई पीढ़ी का भविष्य संवारना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नई पीढ़ी का भविष्य संवारना राज्य सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है और सरकार ऐसा शिक्षा तंत्र तैयार कर रही है, जिसमें प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में पीछे न रह जाए। मुख्यमंत्री सोमवार को दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 में शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर और आशीर्वाद देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कक्षा पहली, छठवीं और नवमी के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल बैग, पाठ्य-पुस्तकें और गणवेश वितरित किए। वहीं नवमी की छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार काम कर रही है। स्कूलों में स्मार्ट क्लास, समय पर निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक आहार, पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज और भारतीय संस्कृति आधारित गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश का कोई भी सरकारी स्कूल शिक्षक विहीन नहीं है और दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यालय की खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन किया और विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच और नवाचार भविष्य के भारत की पहचान होंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया तथा स्कूली बच्चों के साथ न्योता भोज में शामिल होकर उनसे संवाद भी किया। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से कंप्यूटर शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। बालिकाओं के लिए आठ हजार से अधिक नए शौचालय बनाए जा रहे हैं और सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के पहले दिन ही सभी विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं गणवेश उपलब्ध कराए जाएं।

दुर्ग जिले को मिली चार बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में दुर्ग जिले के लिए चार महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं—शिक्षा विभाग के आधुनिक कम्पोजिट कार्यालय भवन का निर्माण। दुर्ग शहर में आधुनिक ऑडिटोरियम की स्थापना। फुटबॉल मैदान के साथ एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण। नीट और जेईई की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए 100-100 सीटर छात्र एवं छात्रा छात्रावास की स्थापना।

रायपुर एम्स में पेपरलेस लैब जांच प्रणाली शुरू, ओपीडी मरीजों को मिलेगी तेज और आसान सुविधा

मरीजों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीनीकृत डोम-1 फलेबोटोमी जोन का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने मरीजों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीनीकृत डोम-1 फलेबोटोमी जोन का शुभारंभ किया है। इसके साथ ही बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के मरीजों के लिए पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन (प्रयोगशाला जांच अनुरोध) प्रणाली लागू कर दी गई है। इस नई सुविधा का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया।

आधारभूत संरचना के उन्नयन, केंद्रीय वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना तथा मरीजों की सुविधाओं में विस्तार के बाद फलेबोटोमी जोन को पुनः नवीनीकृत डोम-1 में स्थानांतरित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब बाह्य रोगी विभाग

के मरीजों को प्रयोगशाला जांच के लिए प्रिंटेड पर्ची लेकर फलेबोटोमी जोन आने की आवश्यकता नहीं होगी। चिकित्सक द्वारा जांच की इलेक्ट्रॉनिक अनुशंसा किए जाने के साथ ही उसकी जानकारी सीधे प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (लेबोरेटरी इन्फॉर्मेशन सिस्टम) में दर्ज हो जाएगी। इसके बाद मरीज सीधे फलेबोटोमी काउंटर पर पहुंचकर पंजीकरण करा सकेंगे, जहां कंप्यूटर पर उपलब्ध डिजिटल विवरण के आधार पर बारकोड तैयार कर रक्त अथवा अन्य नमूनों का संग्रह किया जाएगा।

संस्थान के अनुसार इस डिजिटल व्यवस्था से कागजी प्रक्रिया में कमी आएगी, मरीजों का प्रतीक्षा समय घटेगा, जांच पर्ची खोने जैसी समस्याएं समाप्त होंगी तथा परामर्श से लेकर नमूना संग्रह तक की पूरी प्रक्रिया अधिक सरल, सुरक्षित और सुगम बनेगी। साथ ही यह प्रणाली जांच की सटीकता और कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ कागज की खपत कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि एम्स रायपुर मरीजों को बेहतर, सरल और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार डिजिटल तकनीकों को अपनाने के साथ अस्पताल की आधारभूत संरचना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अस्पताल प्रशासन, इंजीनियरिंग विंग, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) टीम तथा प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

एम्स रायपुर के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. त्रिपाठी ने कहा कि पुनः प्रारंभ किया गया फलेबोटोमी जोन संस्थान की डिजिटल परिवर्तन यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने बताया कि पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन प्रणाली से प्रतिदिन आने वाले हजारों बाह्य रोगी विभाग के मरीजों को तेज, सुविधाजनक और परेशानी-मुक्त सेवाएं मिलेंगी, वहीं अस्पताल की कार्यकुशलता और मरीजों की सुरक्षा भी और मजबूत होगी।

उद्घाटन के बाद फलेबोटोमी यूनिट के प्रभारी एवं उप नर्सिंग अधीक्षक जेक्का प्रदीप कुमार ने कार्यपालक निदेशक को नई डिजिटल कार्यप्रणाली, बारकोड जनरेशन काउंटर, रक्त नमूना संग्रह क्षेत्र तथा बच्चों के लिए विकसित बाल-अनुकूल सैंपल कलेक्शन कक्ष का अवलोकन कराया। इस कक्ष में आंडियो-वीडियो सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि बच्चों को रक्त नमूना देने के दौरान तनावमुक्त और सहज वातावरण मिल सके।

समारोह में उप निदेशक (प्रशासन) लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मवीर सिंह चौहान, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) विराट गल्होत्रा, उप चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) सवाह सिद्दीकी, प्रोफेसर (डॉ.) मृत्युंजय राठौर, प्रोफेसर (डॉ.) तुषार जगजोपे, डॉ. दिबाकर साहू, डॉ. रमेश चंद्राकर सहित संकाय सदस्य, नर्सिंग अधिकारी, प्रयोगशाला कर्मी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि फलेबोटोमी से संबंधित सभी सेवाएं तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ किए गए डोम-1 फलेबोटोमी जोन से संचालित की जाएंगी। प्रयोगशाला जांच कराने वाले बाह्य रोगी विभाग के मरीज अब सीधे डोम-1 स्थित फलेबोटोमी जोन में पहुंचकर अपना नमूना दे सकेंगे। एम्स रायपुर ने कहा है कि संस्थान नवाचार, आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से मरीजों को सुलभ, सुविधाजनक और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

मोदी सरकार किसी के दबाव में कहां आती है

राहुल गांधी कहते रहते हैं कि मोदी सरकार कमजोर सरकार है, पीएम मोदी कमजोर पीएम हैं, वह पूरे पांच साल पीएम नहीं रहने वाले हैं। राहुल गांधी के कहने व मानने से न तो मोदी सरकार कमजोर हुई है और न ही पीएम मोदी कहीं से कमजोर हुए हैं। राहुल गांधी व कांग्रेस न माने लेकिन देश के लोग मानते हैं कि पीएम मोदी किसी के दबाव में आकर कोई काम नहीं करते हैं। वह कोई भी फैसला किसी के दवाब में आकर नहीं करते हैं, कोई सोचता है कि वह दबाव डालकर पीएम मोदी से कोई फैसला करवा सकता है तो उसकी गलतफहमी देरसबेर पीएम मोदी दूर कर देते हैं कि इस बार काकरोच जनता पार्टी को यह वहम हो गया कि वह जंतर मंतर में धरना प्रदर्शन करेंगे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लीक मामले में इस्तीफा मांगेगे तो कुछ दिनों में पीएम मोदी उनका इस्तीफा लें लेंगे। सीजेपी के आंदोलन को 20 दिन से ज्यादा हो गया है और पीएम मोदी ने शिक्षामंत्री को इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा है।

शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग कई दिनों तक करने के बाद भी जब मोदी सरकार ने शिक्षामंत्री को नहीं हटाया और लोगों की भीड़ भी जंतरमंतर में नही जुट रही थी तो सरकार पर दवाब बढ़ाने, लोगों की भीड़ जुटाने व विपक्ष को समर्थन के लिए मजबूर करने के लिए सोनम वांगचुक मिल गए अनशन करने के लिए। इससे सीजेपी वालों को आंदोलन के संजीवनी मिल गई। उनके आंदोलनस्थल पर अब लोगों की भीड़ बढ़ने लगी लोग वांगचुक के लिए आने लगे ।वांगचुक के कारण आंदोलन को मीडिया में कवरेज भी मिलने लगा। सबसे ज्यादा फायदा तो वांगचुक को हुआ है, उनका तो अभिजीत, राहुल गांधी से ज्यादा प्रचार हुआ है। आंदोलन व वांगचुक के अनशन का समर्थन नहीं करने के कारण विपक्ष व कांग्रेस की आलोचना होने लगी तो आखिरी के कुछ दिन विपक्ष के बड़े नेता राहुल, अखिलेश, तेजस्वी, ममता आदि तो नहीं आए लेकिन उन्होंने अपने नेताओं को भेजा ताकि कोई यह न कह सके कि विपक्ष इस आंदोलन व अनशन का समर्थन नहीं किया। यह तो एक तरह से समर्थन नहीं मजबूरी में किया गया समर्थन था ।कांग्रेस ने पवन खेड़ा को भेजा। राहुल गांधी नहीं गए, अखिलेश ने अपनी पत्नी को भेजा खुद नहीं गए। क्योंकि उनको अंदेशा था कि यह आंदोलन तो विपक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

मोदी सरकार के लिए दोबारा नीट परीक्षा करना चुनौती थी, दोबारा उसने नीट परीक्षा करा दी है, उसका रिजल्ट भी आ गया है और फिर से भर्ती शुरू हो गई है। यानी मोदी सरकार के लिए तो नीट पेपर लीक का मुद्दा अब कोई मायने नहीं रखता है। उसके लिए तो यह अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है ।सीजेपी के लिए यह मुद्दा अब प्रतिष्ठा का प्रश्न जरूर बन गया है क्योंकि उनकी तो एक ही मांग थी कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें ।यह मांग तो पूरी हुई नहीं है और न ही भविष्य में पूरी होने वाली है क्योंकि पीएम मोदी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी लेने वाले थे तो अब नहीं लेंगे क्योंकि अब शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने का मतलब होगा कि पीएम मोदी ने सीजेपी और कांग्रेस के दवाब में इस्तीफा लेने के मजूबर हुए हैं। अगर शिक्षामंत्री ने अपना काम ठीक से नहीं किया है तो जिस तरह पीएम मोदी ने दूसरे मंत्रियों को पद से हटाया था, उसी तरह धर्मेंद्र प्रधान को अगले मंत्रिमंडल विस्तार में हटा देते लेकिन अब सीजेपी व विपक्ष की मांग यही है इसका मतलब है कि शिक्षा मंत्री को अभी तो नहीं हटाया जाएगा। यानी वह सुरक्षित है और उनका मंत्री पद सुरक्षित है और इसका श्रेय सीजेपी व कांग्रेस को है।

दिल्ली सरकार व मोदी सरकार चाहती तो अनशन के कुछ दिन बाद जब कोर्ट ने जब यह कर दिया था कि हर जीवन कीमती है, उसे खतरे में नहीं डाला जा सकता। वांगचुक के स्वास्थ्य की चिंता के बहाने दिल्ली पुलिस व मोदी सरकार के पास मौका था कि उनको अनशन स्थल से उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया जाता। दिल्ली पुलिस व मोदी सरकार ने उनको अनशन करने का मौका दिया। अपने तौर पर सम्मानजनक ढंग से अनशन समाप्त करने का मौका दिया ।केजरीवाल जंतर मंतर आए थे, कहा जा रहा था कि राहुल गांधी जंतरमंतर आते हैं तो अनशन समाप्त कर दिया जाएगा लेकिन न तो केजरीवाल ने अनशन समाप्त कराया और न राहुल गांधी जंतरमंतर आए। दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश तो 16 जुलाई को आ गया था कि वांगचुक की हालत बिगड़ने न दी जाए। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने वांगचुक को 18 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया दिया है तो यह काम तो दो दिन लेट हो गया है। दिल्ली पुलिस तो यह काम पहले ही कर सकती थी।

विपक्ष ने वांगचुक का दिल से समर्थन नहीं किया लेकिन दिल्ली पुलिस उसे अस्पताल ले गई तो सब को बोलने का मौका मिल गया है। मोदी सरकार की आलोचना करने का मौका मिल गया है। मोदी सरकार ने तो अपनी तरफ से कुछ नहीं किया है। उसने तो वही किया है जो दिल्ली हाईकोर्ट ने उससे करने को कहा था, उसकी जिम्मेदारी बताया था। वांगचुक के प्राणों की रक्षा करने का काम कोर्ट ने मोदी सरकार व दिल्ली पुलिस को सौंपा था, उन्होंने तो वही किया है, वांगचुक के प्राणों की रक्षा की है ।अनशन करते हुए वांगचुक को कुछ हो जाता तो उसका दोष तो मोदी सरकार पर लगता कि मोदी सरकार उनके प्राण बचाने के लिए कुछ नहीं किया ।अनशन स्थल से वांगचुक को इसलिए भी हटाना था कि उनके कारण भीड़ आ रही थी, विपक्ष एकजुट हो रहा था, जब भी कही भीड़ जुटती है तो सरकार चिंतित रहती है कि कहीं कुछ बड़ा न हो जाए और विपक्ष को आलोचना करने का मौका न मिल जाए।

धमतरी मॉडल बना देश के लिए प्रेरणा, औषधीय खेती से महिलाओं की आर्थिक क्रांति

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

धमतरी। जहां कभी अनुपयोगी भूमि थी, वहां आज औषधीय पौधों की हरियाली लहरा रही है। जहां महिलाएं केवल पारंपरिक खेती तक सीमित थीं, वहीं आज वे लाखों रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। यह केवल एक जिले की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि नवाचार का ऐसा मॉडल है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। छत्तीसगढ़ का धमतरी जिला आज औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के कृषिकरण का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है। यहां कृषि, आजीविका, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ऐसा समन्वय देखने को मिलता है, जो विकसित भारत और आत्मनिर्भर गांवों की अवधारणा को साकार करता है।

परंपरागत खेती से नवाचार की ओर : धमतरी कृषि प्रधान जिला है। यहां की अधिकांश आबादी धान आधारित खेती पर निर्भर रही है। हालांकि धान उत्पादन जिले की पहचान है, लेकिन सीमित आय, प्राकृतिक जोखिम और अनुपयोगी भूमि की चुनौती लंबे समय से बनी हुई थी। महानदी के किनारे की रेतीली भूमि, कटाव प्रभावित क्षेत्र और ग्राम पंचायतों की अनुपयोगी जमीन आर्थिक दृष्टि से पर्याप्त उपयोग में नहीं आ पा रही थी। ऐसे समय में जिला प्रशासन ने इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का निर्णय लिया। सोच स्पष्ट थी—यदि अनुपयोगी भूमि पर ऐसी फसलें उगाई जाएं जिनकी बाजार में स्थायी मांग हो, जिनमें लागत कम और लाभ अधिक हो, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

दूरदर्शी नेतृत्व और समन्वित प्रयास : वर्ष 2025 में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) तथा राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के कृषिकरण की अभिनव पहल प्रारंभ की। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसे केवल कृषि कार्यक्रम नहीं माना गया, बल्कि महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका का व्यापक मिशन बनाया गया। योजना के प्रारंभिक चरण में जिले का विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया। अनुपयोगी भूमि, रेतीले क्षेत्र और कम उत्पादक भूमि की पहचान कर वहां औषधीय खेती की संभावनाओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया गया।

इसके बाद महिला स्व-सहायता समूहों को इस अभियान का केंद्र बनाया गया। राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से खस, ब्राह्मी, बच, लेमनग्रास, पामारोजा और पचौली जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराई गई। महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और नियमित फील्ड सपोर्ट दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था रही—शत-प्रतिशत बाय-बैक, जिससे किसानों और महिलाओं को अपने उत्पाद के विपणन की चिंता नहीं रही।

150 एकड़ से शुरू हुआ परिवर्तन : प्रथम चरण में लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में 200 महिला स्व-सहायता समूह सदस्यों को जोड़ा गया। लगभग 80 एकड़ में खस, 20 एकड़ में ब्राह्मी, 10 एकड़ में बच तथा 40 एकड़ में लेमनग्रास, पामारोजा और पचौली का रोपण किया गया। कुछ ही समय में परिणाम सामने आने लगे। जो भूमि पहले अनुपयोगी मानी जाती थी, वहीं से प्रति एकड़ लगभग एक लाख रुपये तक की आय प्राप्त होने लगी। महिलाओं ने इस आय का उपयोग बच्चों की शिक्षा, परिवार की जरूरतों, कृषि उपकरणों की खरीद और छोटे व्यवसाय शुरू करने में किया। इससे उनकी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ सामाजिक आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

बदलती जिंदगी, बदलती सोच : आदर्श महिला कृषक समूह कंडेल सत्या ढीमर बताती हैं कि पहले उनकी पूरी निर्भरता धान की खेती पर थी। औषधीय खेती के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन प्रशिक्षण, पौध सामग्री और खरीद की सुनिश्चित व्यवस्था ने उनका भरोसा बढ़ाया। आज उनकी आय कई गुना बढ़ चुकी है। समूह पूना साहू, कुंती ढीमर कहती हैं कि इस योजना ने केवल आय ही नहीं बढ़ाई, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी दिया है। अब वे बैंकिंग, समूह प्रबंधन और उद्यमिता में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं तथा अन्य महिलाओं को भी इस दिशा में प्रेरित कर रही हैं।

किसान अशोक नेताम बताते हैं कि कम पानी वाली भूमि में लेमनग्रास और खस जैसी फसलें उम्मीद से कहीं अधिक सफल साबित हुई हैं। अब जिले के अनेक किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय खेती को भी अपनाने लगे हैं।

लखपति दीदी अभियान को मिली नई गति : छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार, मूल्य संवर्धन और बाजार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में लखपति दीदी अभियान को गति देने के लिए कृषि, वनोपज, पशुपालन और ग्रामीण उद्यमिता को एकीकृत किया जा रहा है। धमतरी का औषधीय खेती मॉडल इसी सोच का प्रभावी उदाहरण है। इस पहल ने महिलाओं को केवल खेती तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें उद्यमी बनने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्पष्ट विजन है कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थानीय संसाधनों पर आधारित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर बनाया जाए। औषधीय एवं सुगंधीय फसलों का विस्तार इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केवल खेती नहीं, संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का विकास : धमतरी मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें केवल उत्पादन पर नहीं, बल्कि संपूर्ण वैल्यू चेन विकसित करने पर जोर दिया गया है। कुरूद विकासखंड के कोटगांव और पचपेड़ी में औषधीय पौधों की नसर्री विकसित की जा रही है, ताकि स्थानीय स्तर पर गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही भविष्य में औषधीय उत्पादों के प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग), आवश्यक तेल निष्कर्षण, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। यदि स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित होते हैं, तो इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, परिवहन लागत घटेगी और किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलेगा। यह ग्रामीण औद्योगिकीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

राष्ट्रीय पहचान बना धमतरी मॉडल : धमतरी के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली। 9 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित महाकुंभ-2025 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि जागरण के संयुक्त मंच पर जिले को औषधीय एवं सुगंधीय पौधों के कृषिकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। इसके बाद हैदराबाद, बिहार, मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों के किसान, अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाएं और विभिन्न संगठन धमतरी पहुंचकर इस मॉडल का अध्ययन करने लगे। आज धमतरी का मॉडल देश के अनेक जिलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।

500 एकड़ विस्तार की नई उड़ान : प्रथम चरण की सफलता के बाद अब लक्ष्य इस पहल को 500 एकड़ तक विस्तारित करने का है। इसके माध्यम से 500 से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य औषधीय पादप बोर्ड, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, बिहान तथा अन्य विभागों के समन्वय से चारों विकासखंडों में प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि अधिकाधिक किसान और महिला समूह इस अभियान से जुड़ सकें।

पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा का माध्यम : औषधीय खेती का महत्व केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं है। ब्राह्मी, बच, लेमनग्रास और अन्य औषधीय पौधे स्वास्थ्य परंपरा को भी मजबूत करते हैं। इन फसलों से भूमि संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जैव विविधता का संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि की अनुकूलन क्षमता भी बढ़ती है। आज जब पूरी दुनिया टिकाऊ कृषि, प्राकृतिक खेती और जैव विविधता संरक्षण की बात कर रही है, तब धमतरी का यह मॉडल इन सभी उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करता है।

विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में प्रेरक पहल : धमतरी की यह सफलता बताती है कि जब दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी प्रशासन, वैज्ञानिक तकनीक, महिला शक्ति और स्थानीय संसाधनों का समन्वय होता है, तब विकास की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। यह मॉडल केवल औषधीय खेती का नहीं, बल्कि ग्रामीण नवाचार, महिला उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने और स्थानीय संसाधनों पर आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए सतत कार्य कर रही है।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

तनवीर जाफरी

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्नविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्न के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ ह्नवैश्विक थानेदारह्न के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों, तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे लिली पैड फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास क़रीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970-80 के दशक में चीन की भविष्य की महाशक्ति के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990-2000 के दशकआते आते उसे एक उदयमान महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे ग़रीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया।

इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5G, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने मेड इन चाइना 2025 जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में ग़ैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को, आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना, किसी देश पर क़ब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढी६ शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुक़ाबले चीन की और ट्रंप के मुक़ाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की।

इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है।

चीन ने एशिया, अफ्रीक़ा, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए विकास साझेदार की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुक़सान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी, ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, ठअळड, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार-बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल, मध्य पूर्व, वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

विक्रम-1 से भारत-ब्रिटेन एफटीए तक-क्या जुलाई 2026 विश्व अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार का टर्निंग पॉइंट है?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर जुलाई 2026 के दूसरे सप्ताह में विश्व और भारत में अनेक ऐसी घटनाएं हुईं जिन्होंने निवेशकों, उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं तथा वैश्विक वित्तीय संस्थानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। रविवार 18 जुलाई 2026 को भारत में निजी क्षेत्र के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का 15 जुलाई से लागू होना, 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 प्रारंभ होने वाला संसद का मानसून सत्र, पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका संघर्ष का विस्तार तथा होरमुज क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव, साथ ही ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट जैसे घटनाक्रम केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह, ऊर्जा कीमतों, मुद्रा बाजार, निवेश विश्वास और आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। जिस पर पूरे विश्व की निगाहें हैं इसलिए इससे भारतीय अर्थव्यवस्था व शेयर मार्केट पर क्या असर पड़ेगा।

भारत के लिए सबसे सकारात्मक घटनाओं में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र का तेजी से उभरना है। स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-1 मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी की नई शुरुआत का प्रतीक है। सरकार के अनुसार भारत का अंतरिक्ष उद्योग 2030 तक लगभग 40-45 अरब डॉलर और 2040 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। इससे एयरोस्पेस, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सैटेलाइट सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में दीघर्कालिक निवेश आकर्षित होने की संभावना है। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत है कि भारत केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उच्च प्रौद्योगिकी निर्माण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

15 जुलाई 2026 से भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है ।वस्त्र, ऑटो कंपोनेंट फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग, कृषि-प्रसंस्करण, रत्न एवं आभूषण तथा आईटी सेवाओं को बेहतर बाजार मिलने की संभावना है। यदि निर्यात बढ़ता है तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि हो सकती है, जिसका सकारात्मक प्रभाव शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है ।साथ ही विदेशी कंपनियों का भारत में निवेश बढ़ने से रोजगार, उत्पादन और कर संग्रह में भी वृद्धि संभव है।

20 जुलाई से 13 अगस्त तक प्रस्तावित संसद का मानसून सत्र निवेशकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा क्योंकि इस दौरान कर सुधार, एमएसएमई, निवेश, बैंकिंग तथा अन्य आर्थिक विधेयकों पर चर्चा और निर्णय संभावित हैं। यदि सुधारवादी नीतियां आगे बढ़ती हैं तो बाजार इसे सकारात्मक संकेत के रूप में देख सकता है। वहीं यदि राजनीतिक गतिरोध बढ़ता है और महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रह जाते हैं तो निवेशकों में अस्थायी अनिश्चितता भी उत्पन्न हो सकती है ।दूसरी ओर, पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा जोखिम बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य तनाव तथा खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की घटनाएं तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। यदि होरमुज जलडमरूमध्य में व्यवधान बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है, इसलिए तेल महंगा होने पर महंगाई, चालू खाते का घाटा और वित्तीय दबाव बढ़ सकता है ।तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग- अलग पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों, विमानन, परिवहन, रसायन और पेंट उद्योग पर लागत का दबाव बढ़ सकता है, जबकि तेल एवं गैस खोज, ऊर्जा तथा रक्षा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को लाभ मिल सकता है। इसलिए बाजार में क्षेत्रवार प्रदर्शन में बड़ा अंतर दिखाई दे सकता है ।अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार सामान्यतः युद्ध और भू- राजनीतिक तनाव के समय जोखिम से बचने की रणनीति अपनाते हैं। ऐसे समय निवेशक शेयरों से धन निकालकर सोना, अमेरिकी डॉलर, सरकारी बॉन्ड और अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। यदि पश्चिम एशिया का संघर्ष लंबा चलता है तो वैश्विक पूंजी बाजारों में अस्थिरता बनी रह सकती है और उभरते देशों में विदेशी निवेश का प्रवाह धीमा पड़ सकता है।

ट्रांसपेरेंसीइंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट भी निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है। यदि किसी देश की रैंकिंग कमजोर होती है तो विदेशी निवेशक शासन व्यवस्था, नियामकीय पारदर्शिता और कारोबारी वातावरण को लेकर अधिक सतर्क हो सकते हैं। हालांकि किसी एक रिपोर्ट के आधार पर निवेश निर्णय नहीं लिए जाते, फिर भी दीघर्काल में पारदर्शिता, न्यायिक दक्षता और नीति-स्थिरता विदेशी निवेश आकर्षित करने के सटीकता से प्रमुख आधार बने रहते हैं।

17 जुलाई 2026 तक भारतीय शेयर बाजार का समग्र रुझान यह संकेत देता है कि निवेशक एक ओर भारत की विकास क्षमता, एफटीए, अंतरिक्ष क्षेत्र और बुनियादी ढांचा सुधारों को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पश्चिम एशिया के संकट और वैश्विक महंगाई के जोखिमों को लेकर सतर्क भी हैं। ऐसी स्थिति में बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक माना जाता है ।शेयर बाजार पर प्रभाव का आकलन संभावनाओं परआधारित होता है, क्योंकि वास्तविक बाजार अनेक घरेलू एवं वैश्विक कारकों से प्रभावित होता है ।विदेशी संस्थागत निवेशकों की रणनीति भी इसी संतुलन पर निर्भर करेगी ।यदि वैश्विक जोखिम बढ़ते हैं तो वे कुछ समय के लिए पूंजी सुरक्षित बाजारों में स्थानांतरित कर सकते हैं, लेकिन भारत की मजबूत विकास दर, जनसांख्यिकीय लाभ, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण विस्तार दीघर्कालिक निवेश को आकर्षित करते रह सकते हैं ।भारतीय रुपया भी इन घटनाओं से प्रभावित हो सकता है। तेल महंगा होने और विदेशी निवेश में कमी आने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि निर्यात वृद्धि, एफटीए के लाभ तथा निरंतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रुपये को समर्थन दे सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नीट पेपर लीक प्रकरण में केंद्रीय शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी राजनीतिक विवाद तथा लगभग 21 दिनों के आंदोलन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को रविवार दिनांक 18 जुलाई 2026 धरना स्थल से पुलिस द्वारा हटाकर अस्पताल में भर्ती कराए जाने जैसी घटनाएं स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक बहस और सामाजिक असंतोष को बढ़ाती हैं। यदि ऐसे घटनाक्रम लंबे समय तक जारी रहें, तो उनका अप्रत्यक्ष प्रभाव निवेशकों की धारणा (इन्वेस्टर सेंटीमेंट) और आर्थिक विश्वास (इकोनॉमिक कॉन्फिडेंस) पर पड़ सकता है। हालांकि भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन मुख्यतः कॉर्पोरेट आय, महंगाई, ब्याज दरों, विदेशी निवेश, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और सरकारीनीतियों जैसे व्यापक आर्थिक कारकों से निर्धारित होता है, फिर भी बड़े राजनीतिक आंदोलनों या अस्थिरता के दौर में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। यदि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण और सीमित दायरे में रहते हैं, तो उनका व्यापक आर्थिक प्रभाव सामान्यतः सीमित रहता है। लेकिन यदि वे देशव्यापी अवरोध, प्रशासनिक व्यवधान या नीति- निर्माण में देरी का कारण बनें, तो निवेशकों में सतर्कता बढ़ सकती है तथा कुछ समय के लिए पूंजी बाजार, पर्यटन, उपभोग और व्यापारिक गतिविधियों पर दबाव दिखाई दे सकता है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों का समाधान लोकतांत्रिक संवाद, पारदर्शी जांच और संस्थागत विश्वास को मजबूत करने के माध्यम से किया जाना भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजारों की दीघर्कालिक स्थिरता के लिए सटीकता से अधिक अनुकूल माना जाता है।

वैश्विक स्तरपर अमेरिका, यूरोप, जापान और चीन के बाजार भी इन घटनाओं से प्रभावित होंगे। ऊर्जा आयातक देशों के लिए तेल कीमतों में वृद्धि आर्थिक चुनौती बनेगी, जबकि ऊर्जा निर्यातक देशों को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। इससे वैश्विक पूंजी का पुनर्संतुलन देखने को मिल सकता है ।यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो भारत के सामने इस समय दो समानांतर चित्र दिखाई देते हैं। पहला, उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, मुक्त व्यापार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सुधारवादी नीतियों के माध्यम से तेज आर्थिक विकास का अवसर। दूसरा, वैश्विक युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और भू-राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां। आने वाले महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन अवसरों का लाभ उठाते हुए बाहरी जोखिमों का कितनी कुशलता से सामना करती है।

अतःअगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि, जुलाई 2026 का यह सप्ताह भारत और विश्व की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा सकता है ।यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव नियंत्रित रहता है और भारत सुधारों, निर्यात विस्तार, तकनीकी नवाचार तथा नीति-स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ता है, तो भारतीय शेयर बाजार दीघर्काल में वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रह सकता है। वहीं यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है, ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है और वैश्विक वित्तीय अस्थिरता गहराती है, तो अल्पकाल में विश्वभर के शेयर बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीति यही होगी कि वह अपने मजबूत घरेलू आर्थिक आधार, तकनीकी प्रगति और संतुलित विदेश नीति के माध्यम से इन वैश्विक चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करे।

निकुम सहकारी समिति में भ्रष्टाचार के आरोप, किसानों ने दिया 20 दिन का अल्टीमेटम

पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू और जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर धरना स्थल पर पहुंचे, भाजपा सरकार को घेरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम निकुम स्थित सेवा सहकारी समिति, पंजीयन क्रमांक 692 में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में सोमवार 20 जुलाई को पंजीकृत किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार अधिकारी दुर्ग के माध्यम से सौंपा। इस दौरान पूर्व गृहमंत्री एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ताम्रध्वज साहू तथा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश ठाकुर भी धरना स्थल पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने किसानों की समस्याएं सुनीं और भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सहकारी समितियों में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण किसान परेशान हैं।

किसानों का आरोप है कि समिति में पिछले 5 वर्षों से आमसभा नहीं बुलाई गई है। कृषकों के अंशदान का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा। वर्ष 2023-24 और 2024-25 में की गई शिकायतों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके साथ ही प्राधिकृत अध्यक्ष द्वारा मनमानी तरीके से कामकाज किया जा रहा है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी : किसानों ने स्पष्ट कहा है कि यदि 20 दिन के भीतर उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे वृहद आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी ग्रामीणों ने बताया कि खाद-बीज और ऋण वितरण में भी गड़बड़ी की जा रही है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है।

धरना स्थल को संबोधित करते हुए ताम्रध्वज साहू ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान केवल नारों तक सीमित रह गया है। सहकारी समितियां भ्रष्टाचार का केंद्र बन गई हैं। जब तक आरोपी पर कार्रवाई नहीं होती और किसानों को न्याय नहीं मिलता, कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी।

राकेश ठाकुर ने कहा कि निकुम की स्थिति पूरे जिले का उदाहरण है। सरकार जांच के नाम पर समय बिता रही है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की, अन्यथा कलेक्टर कार्यालय का घेराव और चक्काजाम की चेतावनी दी।

धरने में अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवेंद्र देशमुख, पूर्व जनपद सदस्य रुपेश देशमुख, नंदकुमार साहू ललीत देशमुख, उत्तम धनकर मनीष बेलचंदन, कुलेश्वर साहू डॉ पिलेश्वर साहू घनश्याम गजपाल, देवेन्द्र कुमार दिपांशु यादव, राजेन्द्र साहू, रामकुमार आडिल रमेश साहू देवलाल साहू बलराम देशलहरे सहित बड़ी संख्या में किसान गण और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

किसानों की 6 सूत्रीय मांगें

ज्ञापन में किसानों ने शासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।
समिति और बैंक शाखा के माध्यम से आमसभा आयोजित कर पिछले 5 वर्षों का कृषक अंशदान का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए।
2023-24 और 2024-25 की लंबित शिकायतों की जांच पुन: की जाए। यह जांच किसानों की मौजूदगी में आमसभा के माध्यम से हो।
सेवा सहकारी समिति निकुम की संचालन समिति का निर्वाचन शीघ्र किसानों द्वारा कराया जाए।
वर्तमान प्राधिकृत अध्यक्ष का कार्यकाल तत्काल समाप्त किया जाए और किसानों द्वारा गठित निगरानी समिति को मान्यता दी जाए।
प्राधिकृत अध्यक्ष पर पंजी बंद करने के आरोप में 7 दिन के भीतर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
समिति के सुचारू संचालन के लिए योग्य और व्यवस्थित कर्मचारियों की नियुक्ति आमसभा की सहमति से की जाए।

खास खबर

मोनी बाबा आश्रम में श्री हनुमत महायज्ञ का पांचवां और छठवां दिन भक्तिभाव से संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भंडारा, भक्ति नृत्य और वेदी पूजन से गूंजा मंदिर परिसर

राजनांदगांव, 20 जुलाई 2026। श्री मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर, मोनी बाबा आश्रम में आयोजित श्री हनुमत महायज्ञ के पांचवें दिन पंचमी तिथि पर भक्तिभाव से भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें मोनी बाबा के भक्तगण सहित शहर के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

पंचमी के शुभ अवसर पर चक्रधर कत्थक कल्याण केंद्र के बच्चों ने मोनी बाबा के समक्ष मनोहारी प्रस्तुति दी। केंद्र के संचालक डॉक्टर कृष्ण कुमार सिंह और तुषार कुमार सिंह के मार्गदर्शन में बच्चों ने गणेश वंदना, गुरु वंदना, कृष्ण वंदना, महिषासुर मर्दिनी और गंगा अवतरण की नृत्य प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मोनी बाबा ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की और कहा कि "संस्कार और साधना से ही समाज आगे बढ़ता है"। इस अवसर पर समाजसेवी आलोक बिंदल, भावेश अग्रवाल, अशोक चौधरी तथा मोनी बाबा के भक्त राकेश ठाकुर, अमलेंदु हाजरा और योगेश माणेक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। पूरे दिन आश्रम में जय श्रीराम और हनुमान चालीसा के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा।

छठवें दिन हुआ वेदी पूजन

महायज्ञ के छठवें दिन पूज्य मोनी बाबा के निर्देशन और संरक्षण में संपूर्ण देवी-देवताओं की वेदी पूजन कर यज्ञ में पधारने का आह्वान किया गया। प्रधान यजमान श्रीमती कुमुद अशोक चौधरी द्वारा विधिपूर्वक वेदी पूजन संपन्न किया गया। विशेष रूप से हनुमान जी के यज्ञ के साथ श्री महालक्ष्मी जी का मंत्रोच्चार कर यज्ञ में आहुति दी गई। इसके पश्चात प्रतिदिन की भांति भोजन भंडारा और प्रसादी का आयोजन किया गया।

कल होगा अयोध्या से संतों का आगमन

ज्ञात हो कि श्री मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर, मोनी बाबा आश्रम में वर्षभर विभिन्न धार्मिक आयोजन विधि-विधान से किए जाते हैं। मंदिर समिति के महंत श्री त्यागी बाबा ने बताया कि 22 जुलाई को अयोध्या धाम से श्री लक्ष्मण किलाधीश पधार रहे हैं। उनके साथ अनेक संत, महंत और महात्मा भी राजनंदगांव आएंगे। उन्होंने जिले के धर्मप्रेमी जनता से इस पावन अवसर पर पधारकर पुण्य अर्जित करने की अपील की है।

दुर्ग को चाहिए नया ड्रेनेज मास्टर प्लान, तभी मिलेगा जलभराव से राहत : डॉ. प्रतीक उमरे

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि हर वर्ष बारिश के दौरान शहर के अनेक क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर समस्या यह साबित करती है कि वर्तमान जल निकासी व्यवस्था अब शहर की बढ़ती आबादी और तेजी से हुए शहरी विस्तार के अनुरूप नहीं रह गई है। पुराने नालों और ड्रेनेज सिस्टम के भरोसे विकसित हुए शहर में अब व्यापक और वैज्ञानिक नए ड्रेनेज मास्टर प्लान की आवश्यकता है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि जिस प्रकार अन्य शहरों में पुराने ड्रेनेज नेटवर्क को आधुनिक स्वरूप देकर बड़े नालों, वर्षा जल निकासी मार्गों और नए आउटफॉल का निर्माण किया जा रहा है, उसी प्रकार दुर्ग के लिए भी दीर्घकालिक योजना बनाई जानी चाहिए। केवल नालियों की सफाई या बारिश के समय निरीक्षण करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर के कई हिस्सों में सड़कें ऊंची हो चुकी हैं, नई कॉलोनियां बस गई हैं और आबादी लगातार बढ़ी है, लेकिन जल निकासी की मूल व्यवस्था में उसी अनुपात में सुधार नहीं हुआ। परिणामस्वरूप थोड़ी देर की तेज बारिश में भी बहुत से वार्डों, बाजारों और रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

ज्यादा सोचने से तन मन की बिमारियों का आगमन, प्राणायाम और राजयोग मेडिटेशन का करें अभ्यास

ब्रह्माकुमारीज का आयोजन, ज्यादा सोचने पर विजय कार्यक्रम में हैदराबाद से आए बाला किशोर ने दिए टिप्स

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कार्य के सफल या असफल होने में हमारे संकल्पों का अहम योगदान होता है, हमारे मन के विचारों से हमारा मस्तिष्क प्रभावित होता है, मन में आने वाले विचारों से ही हमें सुख और दुख की अनुभूति होती है। बिना ब्रेक के जरूरत से ज्यादा सोचना तन और मन की बीमारियों द्वारा बुढ़ापे को जल्दी निमंत्रण देना है। यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा ज्यादा सोचने की आदत पर विजय ओवरकमिंग ओवर थिंकिंग विषय पर सेक्टर-7, स्थित पीस ऑडिटोरियम में आयोजित सत्र में हैदराबाद से पधारे मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमार बाला किशोर जी ने व्यक्त किए।

आपने सच्चाई और कहानी से जुड़े विचारों को बताया कि मौसम, ट्रैफिक समस्या, दूसरों का आचरण सच्चाई है जिसे हम कंट्रोल नहीं कर सकते है। इसके विपरीत निगेटिव व्यर्थ विचारों की कहानी जो हम एक के बाद एक विचारों की श्रृंखला से अनुमान द्वारा घने काले बादलों से घिर जाते हैं। जिससे बचने गहरी श्वांस, प्राणायाम, राजयोग मेडिटेशन, तटस्थता का भाव धारण करें। व्यर्थ और निगेटिव विचार जंगल के समान होते है जो बढ़ते ही जाते है और सकारात्मक विचारों से सुंदर बगिया बन हमारा जीवन तनावमुक्त रहता है। जिसकी सम्हाल हमें करनी है। आपने क्लोज द पॉपअप, क्लिक द पॉपअप, गेम्स और विभिन्न एक्टिविटी द्वारा अत्यधिक सोचने से बचने के उपायों को समझाया।

सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शरीर की व्याधि के लिए हम भोजन में नमक, शक्कर का सेवन कंट्रोल करते है, वैसे ही बोलने सोचने में भी कंट्रोल करने से हमारे तन, मन के लिए रिश्तों के लिए हमारे जीवन के लिए वरदान है।

डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक नृत्य द्वारा सभा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के अंत में सभी को वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी द्वारा राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शिक्षा, चिकित्सा, रिसर्च स्कॉलर, व्यापार जगत से जुड़े प्रबुद्धजनो ने बड़ी संख्या में लाभ लिया।

भिलाई में HMGM जन सेवा समिति का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ सफल आयोजन

लाभार्थियों को नि:शुल्क छातों का भी किया गया वितरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में HMGM जन सेवा समिति (मोदी ग्रुप) द्वारा आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का द्वितीय दिवस शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति के संयोजक लोकेश पांडेय के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन का लाभ लिया।

वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शिविर में आए लोगों की सुविधा के लिए समिति द्वारा नि:शुल्क छातों का वितरण भी किया गया। उपस्थित नागरिकों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिव्य रतन भसीन और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (ओबीसी मोर्चा) कन्हैया सोनी उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन कर समिति द्वारा किए जा रहे जनहित एवं स्वास्थ्य सेवा के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। अतिथियों ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे शिविर अत्यंत प्रेरणादायी हैं। उन्होंने समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी आयोजन निरंतर होते रहने की शुभकामनाएं दीं।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जागरूकता और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना है।

छायाकार समागम, विश्व फोटोग्राफी दिवस पर रायपुर प्रेस क्लब का तीन दिवसीय आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'मार्तंड उत्सव' की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए रायपुर प्रेस क्लब विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में 19 से 21 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष आयोजन "दृश्य संवाद 2036 : फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट" आयोजित करेगा। इस आयोजन के माध्यम से फोटो पत्रकारिता, फोटो प्रदर्शनी, और फोटो ग्राफी का तकनीकी प्रशिक्षण, फोटोग्राफी की सृजनात्मक दुनिया को एक साझा मंच प्रदान किया जाएगा।

इस आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को प्रेस क्लब की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष मोहन तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कार्यक्रम को भव्य एवं व्यापक स्वरूप देने का निर्णय लिया गया। इसके बाद प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने फोटो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के साथियों के साथ अलग से बैठक कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर सुझाव लिए। बैठक में 2 अगस्त को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई।

साथ ही 15 अगस्त को आयोजित होने वाले प्रेस क्लब परिवार के वार्षिक पिकनिक कार्यक्रम की तैयारियों पर प्रारंभिक चर्चा हुई। इसके अलावा सदस्यता संबंधी निराकरण की प्रगति तथा प्रेस क्लब के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी भी अध्यक्ष द्वारा कार्यकारिणी के समक्ष साझा की गई। तीन दिवसीय "दृश्य संवाद 2026 : छायाकार समागम" के दौरान फोटो प्रदर्शनी, फोटो प्रतियोगिता एवं प्रशिक्षण (वर्कशॉप) का आयोजन किया जाएगा। फोटो प्रदर्शनी एवं फोटो प्रतियोगिता में रायपुर प्रेस क्लब के सदस्य फोटो जर्नलिस्ट भाग ले सकेंगे, जबकि ओपन कैटेगरी में प्रोफेशनल एवं शौकिया फोटोग्राफरों को भी अपनी उत्कृष्ट तस्वीरों के प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी में प्रदर्शित चयनित तस्वीरें आम नागरिकों के लिए बिक्री हेतु भी उपलब्ध रहेंगी, जिससे कलाकारों को अपनी रचनात्मकता को व्यापक पहचान और प्रोत्साहन मिल सके।

प्रेस क्लब का मानना है कि एक तस्वीर केवल दृश्य नहीं होती, बल्कि वह समय, समाज, संघर्ष, संवेदना और सत्य की जीवंत कहानी होती है। "दृश्य संवाद 2026 : छायाकार समागम" का उद्देश्य कैमरे की नजर से समाज की अनकही कहानियों को सामने लाना, फोटो पत्रकारों एवं छायाकारों को सम्मानजनक मंच उपलब्ध कराना तथा आमजन को तस्वीरों के माध्यम से समाज को नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर देना है। बैठक में प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेंद्र जांगड़े, कार्यकारिणी सदस्य संतोष साहू, मोहम्मद जाकिर घुरसेना, नीरज मिश्रा, संजीव सिन्हा, सहित फोटो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के संयोजक दीपक पांडे, किशन लोखंडे, विनय घाड़गे, मनोज देवांगन, दीपेश सोनी, रमन हलवाई, विजय देवांगन, जय पुरी गोस्वामी, तथा बड़ी संख्या में फोटो जर्नलिस्ट एवं छायाकार उपस्थित रहे। रायपुर प्रेस क्लब ने प्रदेश के सभी फोटो पत्रकारों, प्रोफेशनल एवं शौकिया छायाकारों तथा कला प्रेमियों से इस आयोजन में सहभागी बनने और इसे सफल बनाने की अपील की है।

प्रतियोगिता रेयांश, शशिंद्र, शुभम आयनी, काशवी और आद्रीका का राज्य चैम्पियनशिप के लिए चयन

सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के ओपन वर्ग में ईशान सैनी व बालिका वर्ग में परिधि लिलहारे बनी जिला चैम्पियन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित स्मृति नगर भिलाई के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस की पूर्व संध्या पर 19 जुलाई को आयोजित जिला स्तरीय अंडर 15 ओपन एवं बालिका शतरंज चैंपियनशिप का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि शतरंज प्रशिक्षक सुरेंद्र बख्शेवार एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के सचिव तुलसी सोनी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, रॉकी देवांगन एवं उपाध्यक्ष दिनेश जैन उपस्थित थे।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि सब जूनियर अंडर 15 ओपन वर्ग में पांच अंकों में से 4.5 अंक प्राप्त कर ईशान सैनी एवं बालिका वर्ग में 4 अंक प्राप्त कर परिधि लिलहारे ने जिला चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

अंडर 15 के ओपन वर्ग में द्वितीय रेयांश वर्मा 4 अंक तृतीय शशिंद्र सिंह 4 अंक चतुर्थ शुभम सिंह 4 अंक। बालिका वर्ग में द्वितीय आयनी त्रिपाठी 3 अंक तृतीय काशवी जैन 2.5 अंक एवं आद्रीका नागर 2.5 अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान पर रहे। ये सभी चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप भिलाई में 24 से 26 जुलाई तक जैन भवन सेक्टर 6 में आयोजित है उसमें दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। ओपन वर्ग में पांचवा गुणवंत साहू छठवां प्रत्यक्ष देवांगन बालिका वर्ग में पांचवा मानस्वी शर्मा छठवां चारवी माण्डले ने प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मोमेंटो एवं भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया गया। स्पर्धा में कुल 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा एवं सीनियर नेशनल आर्बिटर दिव्यांशु उपाध्याय थे। कार्यक्रम का संचालन अनिल शर्मा एवं आभार प्रदर्शन संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

निधन

सरदार शमशेर सिंह

भिलाई। सेक्टर-2 निवासी 82 वर्षीय सरदार शमशेर सिंह का 20 जुलाई की शाम को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार को उनके निवास स्थान 13, अ सड़क 24, सेक्टर-2 से सुबह 11.30 बजे रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकली जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे मानव धनेसर, अम्बर धनेसर, शीतल बेरी के पिता एवं बलजीत कौर और पत्रकार कोमल धनेसर के ससुर थे।

श्रीमती पूर्णवासी दास

भिलाई। बीएसपी के वित्त विभाग के पूर्व कार्मिक एवं श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-4 के सम्मानित पदाधिकारी प्रकाश दास की माताश्री 86 वर्षीय श्रीमती पूर्णवासी दास का 19 जुलाई 2026 को इंदौर में निधन हो गया। स्वर्गीय पूर्णवासी दास स्वर्गीय त्रिनाथ दास की धर्मपत्नी थीं। वह प्रकाश दास, सीमांचल दास, मुकेश दास एवं ममता की माताश्री थीं। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में ही किया गया। उनके निधन पर श्री जगन्नाथ मंदिर समिति, सेक्टर-4, भिलाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र.अ-27 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक खेमलाल साहू पिता पंचराम निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि 221/1 रकबा 0.1285 हे. भूमि आवेदक एवं सहखातेदारो के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज हैं। उक्त भूमि में भूमिस्वामीगण आपसी सहमति के आधार पर खाताविभाजन कर पृथक पृथक ऋणपुस्तिका प्राप्त किये जाने बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10.08.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.07.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

नाम परिवर्तन

प्रारूप-एक

नाबालिक पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै अजित मेहता AJIT MEHTA (माता / पिता/पालक का नाम) पिता मटुकी मेहता गांव / शहर ग्राम व पो. रसमड़ा, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपने नाबालिक पुत्र अभिमन्यु ABHIMANU (पुराना नाम) से बदलकर अभिमन्यु मेहता ABHIMAN व MEHTA (नया नाम) रख लिया है।

अजित मेहता
माता/ पिता/पालक के हस्ताक्षर

अक्षय और मेरे बीच में मनमुटाव नहीं

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी।

यह कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी

विक्की लालवानी से बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा

फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

प्रियंका चोपड़ा ने 'वाराणसी' की शूटिंग पर की ये बात, राजामौली की तारीफ की

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की। बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

किसी के पास ऐसा विजन नहीं है

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।'

फिल्म में डांस करना चाहती थीं प्रियंका

प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

कब पूरी होगी शूटिंग

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

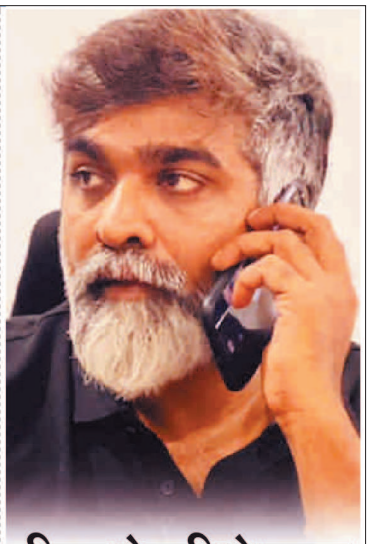

विजय सेतुपति ने बताया अपना आर्थिक संघर्ष; नहीं बनना चाहते थे एक्टर

आज भारतीय सिनेमा में एक्टर विजय सेतुपति को सबसे वर्सटाइल कलाकारों में से एक माना जाता है। कमर्शियल एंटरटेनर और क्रिटिक्स द्वारा सराही गई फिल्मों के बीच संतुलन बनाने के लिए मशहूर इस तमिल स्टार ने एक सफल करियर बनाया है। हालांकि, इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा डिमांड वाले एक्टर्स में से एक बनने से बहुत पहले विजय का कहना है कि उनकी जिंदगी आर्थिक मुश्किलों से गुजरी, जिसने उनके परिवार के हर फैसले पर असर डाला।

बचपन में झेली गरीबी

ट्रूली राम पॉडकास्ट पर बात करते हुए विजय सेतुपति ने अपने बचपन को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्थिक तंगी के बीच बड़े होने से वो कम उम्र में ही समझदार हो गए। उन्होंने कहा कि गरीबी उनके शुरुआती जीवन का एक अहम हिस्सा थी। बचपन में मैंने ज्यादातर आर्थिक संघर्ष ही देखे। लोग कहते हैं कि जवानी गरीबी और मुश्किलों से भरी होती है। मैंने कम उम्र से ही इस स्थिति का सामना किया है। बस यही सब था। क्योंकि जब आप कुछ चाहते हैं, तो आपको हिसाब लगाना पड़ता है कि आप कितना चाहते हैं और आपकी आर्थिक स्थिति ही यह तय करती है। यहां तक कि जब कर्ज वसूलने वाले आते थे या कोई बातचीत के लिए बैठता था, तो मैं ही अपने पिता के साथ बैठता था। मैं ही उन हालात को संभालता था।

एक्टर नहीं बिजनेसमैन बनना चाहते थे विजय

एक्टर ने यह भी बताया कि एक्टिंग कभी उनके शुरुआती प्लान का हिस्सा नहीं थी। मेरी फिल्मों में काम करने की कोई इच्छा नहीं थी। मुझे हमेशा काम करना पसंद रहा है। मैं एक बिजनेसमैन बनना चाहता था।

जब मैं स्कूल में था, तो मैं दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। उसके बाद मैंने एक टेलीफोन बूथ पर काम किया। अपनी जिंदगी में मैंने नाइट शूट करते हुए बहुत संघर्ष किया है। आखिरी बार 'गांधी टॉक्स' में नजर आए थे विजय

विजय सेतुपति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे और सपोर्टिंग रोल से की थी। 2012 में 'पिज्जा' और 'नडुवुला कोंजम पक्खाथा कानोम' फिल्मों से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'सूधु कव्वुम', 'विक्रम वेधा', '96', 'सुपर डीलक्स', 'मास्टर', 'विक्रम', 'जवान' और 'महाराजा' जैसी फिल्मों से अपनी खास जगह बनाई। 2023 में विजय ने शाहिद कपूर के साथ क्राइम थ्रिलर सीरीज 'फर्जी' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। विजय को आखिरी बार 2026 की फिल्म 'गांधी टॉक्स' में देखा गया था।

सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्व अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना ने 'रणबाली' को लेकर दी अपडेट

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है और मैं मंदोदरी

कभी साल में 8 फिल्में करती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं।साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थी। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो यो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थी। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल निर्तेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने छुरिया क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

शासकीय योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत महाराजपुर, खोभा एवं केशोटोला का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत महाराजपुर में पूर्व माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पूर्ण एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर विभिन्न शासकीय योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही पूर्व माध्यमिक शाला में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन कर विद्यालय परिसर में निर्मित प्रार्थना शेड का भी निरीक्षण किया।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत खोभा में आवास पारा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों तथा निर्माणाधीन रिचार्ज शाफ्ट का निरीक्षण किया। महिला स्वसहायता समूह द्वारा संचालित दुकान का अवलोकन करते हुए समूह की महिलाओं से उनकी आय एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सरपंच, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में सूर्य सभा का आयोजन किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह योजना बिजली व्यय में बचत के साथ-साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत केशोटोला में नवाचार एवं श्रमदान से विकसित की जा रही आवास वाटिका का निरीक्षण किया तथा इसके बेहतर विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायत परिसर में संचालित सी-मार्ट का भी अवलोकन किया तथा महिला स्व-सहायता समूहों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीदी की। उन्होंने कहा कि महिला समूहों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने से ग्रामीण आजीविका सशक्त होगी। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत छुरिया होरीलाल साहू, एसडीओ (आरईएस) जीपी लरिया सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोक अदालत के माध्यम से 38 मामलों का किया गया निपटान, 217 मामलों की सुनवाई की गई

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं तालुक स्तर पर आयोजित विशेष लोक अदालत में न्यायालय में लंबित, धारा-138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों को निराकरण के लिए चिन्हित किया गया। विशेष लोक अदालत के लिए कुल 9 खंडपीठों का गठन किया गया। विशेष लोक अदालत में 217 मामलों की सुनवाई की गई। जिसमें 3 मामले प्री-लिटिगेशन के थे। विशेष लोक अदालत के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 45 लाख 40 हजार 53 रूपए के 38 मामलों का सफलतापूर्वक निपटान किया गया। विशेष लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले अर्थात चेक से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई।

खास खबर

राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद विजय बघेल, तीन यूरोपीय देशों की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा पर जाएंगे

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया दौरे में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, विदेश नीति को मिलेगी नई मजबूती

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल को देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। वे 19 से 25 जुलाई तक राष्ट्रपति के साथ मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होना न केवल सांसद बघेल के लिए सम्मान का विषय है, बल्कि दुर्ग-बेमेतरा अंचल के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल तीनों यूरोपीय देशों के साथ भारत के राजनीतिक, आर्थिक, संसदीय, व्यापारिक एवं रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण वार्ताएं करेगा। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा तथा लोकसभा सांसद विजय बघेल शामिल रहेंगे। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक मानी जा रही है। मोल्दोवा की यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय यात्रा होगी, जबकि रोमानिया में लगभग तीन दशक बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति का द्विपक्षीय राजकीय दौरा होने जा रहा है।

इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू संबंधित देशों के राष्ट्राध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों, संसद के शीर्ष नेतृत्व तथा उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विषयों पर उच्चस्तरीय बैठकें करेंगी। माना जा रहा है कि इन बैठकों से भारत और पूर्वी यूरोप के देशों के बीच सहयोग के नए आयाम खुलेंगे। राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने पर सांसद विजय बघेल ने इसे अपने सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रपति के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत, विश्वसनीय और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान लगातार सुदृढ़ कर रहा है तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में इस ऐतिहासिक विदेश यात्रा का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। गौरतलब है कि सांसद विजय बघेल इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

जून 2025 में वे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में ब्राजील में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में शामिल हुए थे। अब राष्ट्रपति के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में उनकी सहभागिता को उनके संसदीय अनुभव और सक्रिय भूमिका की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से इस यात्रा को भारत की एक्ट ईस्ट यूरोप नीति को मजबूती देने वाला कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे व्यापार, निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग और संसदीय संबंधों के क्षेत्र में भारत और पूर्वी यूरोप के देशों के बीच सहयोग को नई गति मिलेगी। वहीं, सांसद विजय बघेल की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से दुर्ग-बेमेतरा क्षेत्र के लोगों में भी उत्साह का माहौल है।

आपदा प्रभावितों को सहायता अनुदान राशि स्वीकृत

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने दैवीय विपत्तियों के संबंध में राहत मद अंतर्गत जिले के आपदा प्रभावितों को स्वीकृत सहायता अनुदान राशि भुगतान हेतु तहसीलदार छुरिया एवं राजनांदगांव को उपलब्ध कराया गया है। छुरिया तहसील अंतर्गत आग से 1 फसल क्षति होने पर 4 हजार 318 रूपए, आग से 1 पक्का मकान आंशिक क्षति होने पर 6 हजार 500 रूपए व बर्तन क्षति होने पर 2 हजार 500 रूपए, तालाब के पानी में डूबने से 1 जनहानि होने पर 4 लाख रूपए तथा राजनांदगांव तहसील अंतर्गत अतिवृष्टि व आंधी तूफान से 9 मकान आंशिक क्षति होने पर 36 हजार रूपए, अतिवृष्टि व आंधी तूफान से 2 मकान पूर्णतः क्षति होने पर 2 लाख 40 हजार रूपए, आग से 2 मकान पूर्णतः क्षति होने पर 2 लाख 40 हजार रूपए सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में सभी देंगे अपना अमूल्य सहयोग : महापौर यादव

जिले में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत ऊर्जा के क्षेत्र में रचें कीर्तिमान : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महापौर मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर जितेन्द्र यादव नगर निगम के टाऊन हाल में आयोजित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना कार्यशाला में शामिल हुए। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण है। जिससे आने वाले वर्षों में जनमानस को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह चुनौतीपूर्ण कार्य है। जिसे हम सभी को मिलकर पूर्ण करना है। इस योजना के क्रियान्वयन में सभी पार्षद अपना सहयोग देंगे तथा अपने घरों में बिजली बिल से मुक्ति पाने के लिए सोलर पैनल लगाने के साथ ही दूसरों को भी लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी इसमें अपना हरसंभव योगदान देंगे।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना वर्तमान एवं भविष्य के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। बिजली बिल से संबंधित लागत इसके माध्यम से कम हो रही है। इस योजना से जो बचत होगी, उसका अन्य योजना में उपयोग किया जा सकेगा। हमारी बचत सरकार के लिए भी बचत है। देश के विकास के प्रति हमारा नजरिया होना चाहिए। सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सब्सिडी देकर जनमानस को लाभान्वित करन के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने पर सरकार अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए की वित्तीय सहायता देती है। सब्सिडी के बाद शुद्ध ऋण राशि 81 हजार रूपए होगी। जिसे लगभग 890 रूपए प्रतिमाह किस्त लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से भुगतान किया जा सकता है। इसी तरह 1 किलो वॉट, 2 किलो वॉट का भी सोलर पैनल लगवा सकते हैं। आसान तरीके से अपने घरों में अच्छी गुणवत्ता के सोलर पैनल लगाएं तथा बिजली बिल से मुक्ति पाएं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैंक, विद्युत विभाग एवं नगर निगम की टीम समन्वित तरीके से कार्य करेगी। अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर भी जनमानस को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वालों पर कारवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि राजनांदगांव जिले में ऊर्जा के क्षेत्र में कीर्तिमान रचना है और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे कदम बढ़ाना है। शहर में दूर-दूर तक सोलर प्लांट लगे हुए दिखाई दें तथा सौर ऊर्जा से शहर को ऊर्जीकृत करें। ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने परिवार को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उपहार दें। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी पार्षदों को सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से शहरी क्षेत्रों में इस योजना का बेहतरीन क्रियान्वयन संभव है। विभिन्न वर्गों के लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आगामी पीएम सूर्यसभा में सभी शामिल होंगे।

आयुक्त नगर निगम जीआर मरकाम ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी दी तथा सभी को अधिक से अधिक इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित ने बताया कि उपभोक्ता पोर्टल के माध्यम से शासन की इस महती योजना का लाभ ले सकते हैं। आवेदन कर वेंडर का चयन कर सकते हैं। ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा दाता भी बन सकते हैं। ग्रिड से कनेक्ट करने पर अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन की भी जानकारी मिलेगी। लीड बैंक मैनेजर मुनिष शर्मा ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत ऋण, ब्याज की राशि के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर योजना से संबंध में सभी की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक लगभग 4000 से अधिक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यशाला में बड़ी संख्या में पार्षद एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सियासी हलचल, कांग्रेस के 10 कार्यकर्ता भाजपा में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले के ग्राम पंचायत गातापार जंगल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के 10 कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं केसीजी जिला प्रभारी नलिनीश ठोकने की मौजूदगी में सभी कार्यकर्ताओं का भाजपा में स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने नवप्रवेशी कार्यकर्ताओं को गमछा पहनाकर और तिलक लगाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता को सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने पार्टी की विचारधारा और संगठन की कार्यप्रणाली से भी नए सदस्यों को अवगत कराया। विक्रांत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कई ऐतिहासिक और जनहितकारी कार्य किए जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने से विकास कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और संगठन को परिवार की तरह समर्पित भाव से मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य चन्द्रमन साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. विशेसर साहू, टीके चंदेल, दिनेश वर्मा, गोरेलाल वर्मा, टोमेश साहू, संजय यदु, कमलेश भदौरिया, नरोत्तम सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में राजस्व अभिलेखों में अनियमितता पर पटवारी निलंबित

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में राजस्व अभिलेखों में अनियमितताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बेमेतरा द्वारा ग्राम निनवा के पटवारी हल्का क्रमांक-40 की पटवारी श्रीमती अम्बा उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, श्रीमती अम्बा उपाध्याय द्वारा निजी स्वामित्व की भूमि के खसरा क्रमांक 184/1 एवं 184/2 के राजस्व अभिलेखों तथा नक्शे में सक्षम न्यायालय के आदेश के बिना नियमों के विरुद्ध फेरबदल किया जाना पाया गया। यह कृत्य छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 115 एवं 116 के प्रावधानों के विपरीत होने के साथ ही शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं गंभीर कदाचार की श्रेणी में पाया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बेमेतरा ने अम्बा उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

बेमेतरा एसपी त्रिलोक बंसल के निर्देशन पर गठित की गई स्पेशल टास्क फोर्स

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने अनाधिकृत और अवैध रूप से रह रहें, अप्रवासी बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों की तलाश और पहचान कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने एवं उन्हें वापस भेजे जाने की के लिए बेमेतरा जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेमेतरा भूषण एक्का, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना-चौकी प्रभारियों एवं स्टाफ के द्वारा जिले के विभिन्न थाना-चौकी क्षेत्रांतर्गत में घुमंतु, डेरा लगाकर रहने, होटलों, ढाबों, लॉज और मकान किराये पर रहने, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के वार्डों, गली, मोहल्लें में जाकर मकानो में किराये पर रहने वाले किरायेदारों एवं मुसाफिरों की आधार कार्ड एप से मिलान कर चेकिंग कार्यवाही की गई हैं। इस दौरान किराया देने वाले मालिक का नाम, किरायादार का नाम, माता, पिता, एवं परिवार के सदस्यों का नाम माता-पिता का नाम, वर्तमान पता, स्थायी पता, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड नं., पेन कार्ड नं., मोबाईल नंबर, शिक्षा संबंधी, फोटो, पहचानकार्ड का पूरा नाम पता एवं मोबाईल नंबर ली गई हैं। सब सही पाया गया है। यह आधार कार्ड की चेकिंग कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

साथ ही "समाधान ऐप" में किराए दार का मकान मालिक के माध्यम से डाटा अपलोड की जा रही है जिसकी चेकिंग कार्यवाही लगातार जारी हैं। चेकिंग कार्यवाही के दौरान वार्ड पार्षद, ग्राम सरपंच एवं ग्राम कोटवार को भी हिदायत दी गई कि किसी भी अंजान लोगो को ग्रामों में ठहरने न दें साथ ही पुलिस थाना को सूचित करे। किसी भी प्रकार की संदिग्ध व्यक्ति दिखने एवं कोई बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही मकान मालिको को बाहरी व्यक्तियों की सूचना मकान किराए में देने के पूर्व थाने में नोट कराने की हिदायत दी गई। आम जनता से अपील की जाती है कि बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में नोट कराए।

नागरिकों से अपील की जाती है कि बाहरी व्यक्तियों को किराए में मकान देने से पूर्व इसकी सूचना अनिवार्य रूप से थाना में नोट कराएं। साथ ही सभी वार्ड पार्षद को भी बताया गया कि किसी भी अंजान लोगो को शहर-ग्रामों में ठहरने न दें साथ ही पुलिस थाना को सूचित करे। अनाधिकृत/अवैध रूप से रह रहें, अवैध अप्रवासी बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों एवं संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति जो बाहर से आकर कही रूका हो जो आपको संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 18002331905 पुलिस को दें।

इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना एवं जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाना है। बेमेतरा पुलिस सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कृतसंकल्पित है और इस अभियान में नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है।

जागरूकता कार्यक्रम नवागढ़ पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को अपराध के प्रति सजग रहने का दिया संदेश

छात्र-छात्राओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सुरक्षा संबंधी समझ को किया मजबूत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती शशिकला उईके के मार्गदर्शन में सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को जिले के हॉट-बाजारों एवं स्कूल, कालेजों, ग्रामों, में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में थाना नवागढ़ पुलिस टीम द्वारा नगर पंचायत नवागढ़, कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ में छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास किया। छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हे भविष्य में अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा और बच्चों को महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, नवीन आपराधिक कानून, साइबर जागरूकता और ट्रैफिक नियमों की बुनियादी जानकारी देकर जागरूक बनाना था।

पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को समझाया कि पुलिस का मुख्य कार्य जनता की सुरक्षा और सहायता करना है, और जरूरत पड़ने पर पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी रहती है। इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सुरक्षा संबंधी समझ को मजबूत करना, जिसका लाभ वे अपने दैनिक जीवन में भी उठा सकेंगे। शिक्षक गणों ने भी इस आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को कानून और सुरक्षा की जिम्मेदारियों से परिचित कराते हैं। इस दौरान छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना सिखाया। इसके बाद छात्र-छात्राओं को नवीन आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस टीम ने नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पुलिस टीम ने बताया कि आज की डिजिटल दुनिया में बच्चे अक्सर ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया और इंटरनेट का उपयोग करते हैं जहां कई तरह के जोखिम मौजूद हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को फर्जी लिंक, अंजान नंबर, ओटीपी धोखाधड़ी, गलत मैसेज, फोटो दुरुपयोग, साइबर बुलिंग जैसी गतिविधियों से बचने के तरीके समझाए। साथ ही यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि तुरंत माता-पिता और पुलिस को बतानी चाहिए। इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार क्षत्रिय, प्रधान आरक्षक राजीव शर्मा सहित अन्य स्टाफ व नगर पंचायत नवागढ़, कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ छात्र-छात्राएं व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

तेज रफ्तार बोलेरो वाहन की चपेट में आया एक मोटरसाइकिल सवार युवक, मौके पर हुई मौत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

साजा थाना क्षेत्र के ग्राम केवतरा के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के बच्चों को लेकर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो की एक मोटरसाइकिल से आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर चोटों के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान ग्राम मोतिसरा निवासी संतोष निषाद के रूप में हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही साजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्कूली बच्चों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि बोलेरो में सवार सभी स्कूली बच्चे सुरक्षित हैं और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि स्कूल वाहन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अब सवाल यह है कि क्या स्कूल वाहनों की नियमित जांच होती है। क्या बच्चों की सुरक्षा के नियमों का पालन किया जा रहा है। यह हादसा एक युवक की जान ले गया, लेकिन अगर बच्चों को कुछ हो जाता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता।

भिलाई निगम ने सेक्टर-6 ए मार्केट की दुकानों का किया सर्वे, संपत्तिकर निर्धारण के लिए माप कार्य शुरू

संपत्तिकर सर्वे अभियान चरणबद्ध तरीके से पूरे निगम क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में संपत्तिकर निर्धारण एवं आरोपण की प्रक्रिया को गति देते हुए बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का परिमाप (माप) और सर्वे कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित दुकानों का विस्तृत माप एवं सर्वे किया गया।

निगम द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य बीएसपी क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों का वास्तविक क्षेत्रफल दर्ज कर संपत्तिकर का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी निर्धारण करना है। सर्वे के दौरान दुकानों के आयाम, निर्मित क्षेत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया, जिससे भविष्य में कर निर्धारण की प्रक्रिया अधिक सटीक और व्यवस्थित हो सके। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संपत्तिकर सर्वे अभियान चरणबद्ध तरीके से पूरे निगम क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है। इससे कर व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, राजस्व संग्रह में वृद्धि होगी तथा निगम को शहर के विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। साथ ही सभी संपत्तियों का अद्यतन रिकॉर्ड तैयार होने से कर संबंधी विसंगतियों को भी दूर किया जा सकेगा।

इस दौरान निगम की सर्वे टीम ने दुकानदारों से सहयोग की अपील करते हुए आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। अधिकांश व्यापारियों ने सर्वे कार्य में सहयोग प्रदान किया। सर्वे अभियान के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रहलाद लहरे, गणित बघेल, प्रकाश महिलवार एवं महेन्द्र बाघमारे सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में बीएसपी क्षेत्र के अन्य सेक्टरों एवं बाजारों में भी संपत्तिकर निर्धारण के लिए इसी प्रकार का सर्वे एवं माप कार्य जारी रहेगा।

सीएम पोर्टल की शिकायत पर निगम ने की कार्रवाई, खुले में संचालित मांस-मटन दुकान पर चला अभियान

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर निगम के जोन-3 राजस्व विभाग एवं बेदखली शाखा की संयुक्त टीम ने 18 नंबर रोड, कैम्प-01 क्षेत्र में खुले में संचालित मांस-मटन दुकान के विरुद्ध कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि संबंधित दुकान खुले में मांस-मटन का विक्रय कर रही थी, जिससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलने के साथ-साथ आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। खुले में मांस विक्रय किए जाने से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी नियमों का भी उल्लंघन हो रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित संचालक को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर खुले में मांस-मटन का विक्रय करना न केवल स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि इससे संक्रमण एवं दुर्गंध जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे मामलों में निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम पोर्टल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नागरिक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त, प्रमुख मार्गों पर रात में बढ़ी रोशनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के संधारण और मरम्मत का कार्य तेज गति से किया गया। निगम द्वारा विभिन्न प्रमुख मार्गों पर खराब लाइटों को सुधारकर पुनः चालू कर दिया गया है, जिससे रात के समय रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।

निगम द्वारा किए गए कार्यों के तहत मनसा आईटीआई से कुरूद स्थित राधारानी वाटिका तक स्ट्रीट लाइटों को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। इस मार्ग पर हाई टेंशन पोल एवं कुछ रिक्त पोल होने के कारण जहां तकनीकी आवश्यकता है, वहां आगे भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

इसी प्रकार सीएम कॉलेज रोड, कुरूद में नया टाइमर और मेन स्विच केबल लगाकर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिससे क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध हो रहा है। इसके अलावा शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का संधारण कर उन्हें चालू किया गया है। इनमें सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक, सुपेला फ्लाईओवर, नेहरू नगर से भिलाई नगर रेलवे स्टेशन जाने वाला मार्ग, सुपेला थाना से सुपेला फ्लाईओवर, गदा चौक से अवंति बाई चौक तथा अवंति बाई चौक से इंदु आईटीआई नाला तक का मार्ग शामिल है। इन सभी स्थानों पर अब स्ट्रीट लाइटें सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं।

नगर निगम ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है और जहां भी खराबी की सूचना मिल रही है, वहां प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। निगम का उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित, प्रकाशयुक्त और सुविधाजनक सड़कें उपलब्ध कराना है ताकि रात्रिकालीन आवागमन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निगम आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर के सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइटों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा खराब लाइटों को तत्काल सुधारकर चालू किया जाए, जिससे पूरे शहर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था बनी रहे और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रक और ट्रेलरों पर यातायात पुलिस ने की चालानी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

यातायात थाना टाटीबंध और थाना आमानाका द्वारा संयुक्त रूप से हीरापुर मार्ग, बिलासपुर रोड और टाटीबंध चौक के आसपास सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रक एवं ट्रेलरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सड़क पर यातायात बाधित करने वाले एवं नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े भारी वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार 25 ए चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही, 3 भारी वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए थाना आमनाका भेजे गए, जहां उनके विरुद्ध (285 बीएनएस) एफआईआर दर्ज कराई गई। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सड़क पर अनधिकृत पार्किंग न करने एवं यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराया जा सके।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
baked.by.suhani
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, केंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Deepak Advertisers
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100